वर्ष: 7 अंक: 09

1-15 नवंबर , 2026 (नि:शुल्क)

न्यू इंडिया समाचार

दीपावली स्पेशल

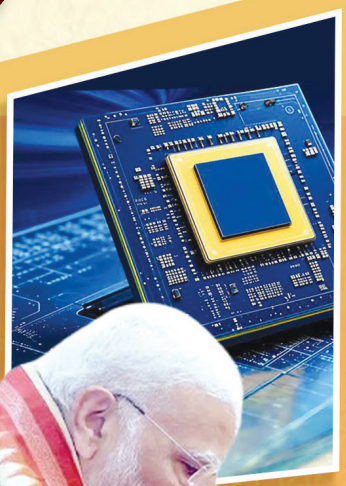
वोकल फॉर लोकल

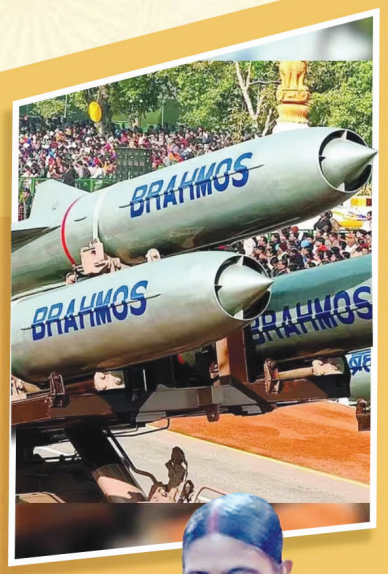
आह्वान बना राष्ट्र का संस्कार

12 वर्ष पूर्व, वोकल फॉर लोकल का एक आह्वान आज 140 करोड़ भारतीयों का संस्कार बन चुका है। मिट्टी के दीये से सेमीकंडक्टर चिप तक, खादी से ब्रह्मोस मिसाइल तक, आर्थिक नींव से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक, बन गई है एक राष्ट्र के आत्मविश्वास की गाथा..











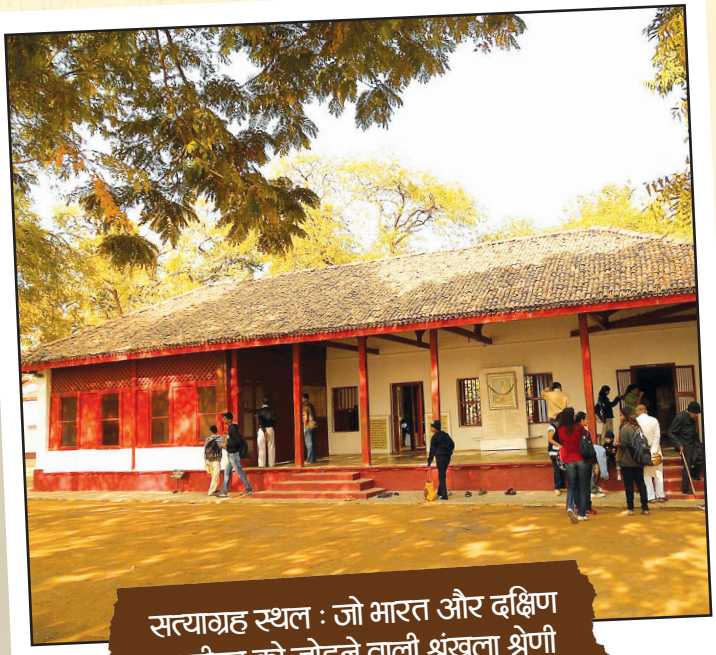


हमें फॉलो करें @NISPIBIndia

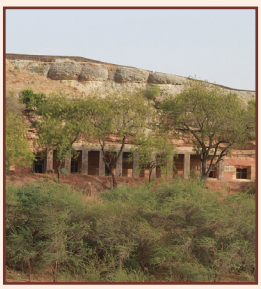
यूनेस्को की संभावित सूची में भारत के 5 नए स्थल

समृद्ध-विविध विरासत

यूनेस्को विश्व धरोहर की संभावित सूची में भारत के 5 स्थलों और सीरियल एवं ट्रांसनेशनल प्रस्तावों को शामिल किया गया है। इस सूची में अब भारत के स्थलों की संख्या 78 हो गई है। नए स्थलों में बाघ की बौद्ध भित्ति-चित्रों और गुप्त काल के उदयगिरि गुफाओं से लेकर चंबल घाटी के मंदिर समूह, गिन्नौरगढ़ की आदिवासी विरासत और सत्याग्रह की वैश्विक यात्रा शामिल है। इसमें भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और राष्ट्रीय पहचान झलकती है। यह प्रगति भारतीय विरासत को संरक्षित कर उसे वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच को करती है प्रदर्शित...



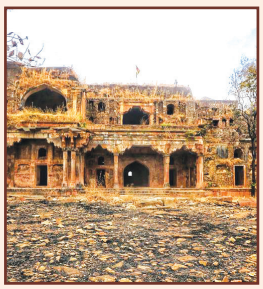
सत्याग्रह स्थल : जो भारत और दक्षिण अफ्रीका को जोड़ने वाली श्रृंखला श्रेणी का अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव है।



बाघ गुफा चित्रों की बौद्ध भित्ति चित्रकारी।



गुप्त काल की उदयगिरि गुफाएं।



गिन्नौरगढ़ की जनजातीय विरासत।



चंबल घाटी के मंदिर समूह।

न्यू इंडिया
समाचार

वर्षः 7, अंकः 09 । 1-15 नवंबर, 2026

प्रधान संपादक
धीरेन्द्र ओझा
प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

मुख्य सलाहकार संपादक
संतोष कुमार

वरिष्ठ सहायक सलाहकार संपादक
पवन कुमार

सहायक सलाहकार संपादक
अखिलेश कुमार
चन्दन कुमार चौधरी

भाषा संपादन
सुमित कुमार (अंग्रेजी)
रजनीश मिश्रा (अंग्रेजी)
नदीम अहमद (उर्दू)

सीनियर डिजाइनर
फूलचंद तिवारी

डिजाइनर
सत्यम सिंह
अनिल कुमार



13 भाषाओं में उपलब्ध न्यू इंडिया समाचार को पढ़ने के लिए क्लिक करें।

https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx

न्यू इंडिया समाचार के पुराने अंक पढ़ने के लिए क्लिक करें

https://newindiasamachar.pib.gov.in/archive.aspx

न्यू इंडिया समाचार के बारे में लगातार अपडेट के लिए फॉलो करें: @NISPIBIndia

अंदर के पन्नों पर...

आवरण कथा
वोकल फॉर लोकल



वोकल फॉर लोकल एक आह्वान
जुड़ गया प्रत्येक भारतीय का मन

दीपावली की जगमग रोशनी के बीच इस बार देश एक और उजाले का जश्न मना रहा है- आत्मनिर्भरता का उजाला। 'मन की बात' से गूंजा 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान आज केवल नारा नहीं, जीवनशैली बन चुका है। यह दीपावली इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह वह मोड़ है जहां भारत अपने कारीगरों के हुनर पर गर्व करते हुए 2047 के विकसित भारत की नींव रख रहा है। इस दीपावली पर कैसे हर दीया, हर उपहार, हर खरीद केवल रोशनी या त्योहार भर नहीं है। अब यह 140 करोड़ भारतीयों का है स्वदेशी, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत का संकल्प... |14-29

जन सेवा से राष्ट्र सेवा के 25 वर्ष

नए भारत की सामूहिक शक्ति का प्रतीक



पीएम मोदी ने अपने संबोधन में 'वी विल डू इट' (हम करके रहेंगे) को नए भारत की सामूहिक शक्ति का बताया प्रतीक |8-13

भारतीय पायलट का साहस

भारतीय जान लेने वाले नहीं जान बचाने वाले



भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी और सूझबूझ को लेकर पीएम मोदी ने वीडियो कॉल पर बात की और उनके जल्द स्वस्थ हाने की कामना की... |30-31

समाचार सार |4-5

एमएसएमई को 10,000 करोड़ रुपये का फंड
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को दिया विस्तार |6-7

डिजिटल कनेक्टिविटी, भविष्य की नई दिशा
पीएम मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण को संबोधित किया |32-33

जन-केंद्रित शासन, सुशासन की पहचान
पीएम मोदी ने दिए 3 मंत्र- जन-केंद्रित सोच, सक्रियता और सुशासन |34-35

आदिवासी समुदाय उत्थान, गौरव गान से भावी पीढ़ी को प्रेरणा
प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान के तीन वर्ष |36-37

पावर टू इम्पावर
ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया संबोधित |38-39

एशियाई खेल 2026 : शानदार सफर, यादगार उपलब्धि
भारत ने 21 स्वर्ण, 27 रजत व 37 कांस्य संग पदक तालिका में चौथा स्थान |40-41

लद्दाख की प्रगति और विकास से जुड़ रहा एक और अध्याय
पीएम मोदी ने 3,350 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया उद्घाटन |43

व्यक्तित्व : डा. पद्मावती बंदोपाध्याय
देश की पहली महिला एयर मार्शल |47

श्रद्धांजलि : अलविदा नाना पाटेकर |48



विरासत और भविष्य की आकांक्षाएं साथ लेकर बढ़ता भारत

पीएम मोदी ने तमिलनाडु को दी 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगातें, मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र राष्ट्र को समर्पित |44-46

प्रकाशक: कंचन प्रसाद, महानिदेशक, सीबीसी (केंद्रीय संचार ब्यूरो)। **पत्राचार और ईमेल के लिए पता:** कमरा संख्या-1077, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003. **ईमेल-** response-nis@pib.gov.in आर. एन. आई. नंबर DELHIN/2020/78812

संपादक की कलम से...

इस दीपावली, घर रोशन करें स्वदेशी से

सादर नमस्कार

त्योहारों की आहट के साथ ही घरों में रौनक लौट आई है। बाजार सजने लगे हैं और हर परिवार खरीदारी की सूची बना रहा है। याद कीजिए, बचपन में दीपावली पर मिट्टी के दीये खरीदने जाना कितना खास होता था। कुम्हार के चाक से निकला हर दीया सिर्फ रोशनी नहीं देता है, बल्कि एक परिवार की मेहनत और उससे जुड़ी उम्मीद का प्रतीक बनकर भी आता है।

इस वर्ष की दीपावली का संदेश और भी खास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक सेवा के 25 वर्ष पूरे किए हैं। इस अवसर पर उन्होंने 'वी विल डू इट' के संकल्प के साथ विकसित भारत का लक्ष्य पाने का संदेश दिया है। 2047 के विकसित भारत का मार्ग आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और स्वदेशी उसका सबसे बड़ा आधार है। 'वोकल फॉर लोकल' अब आह्वान से आगे बढ़कर रोजमर्रा के व्यवहार का हिस्सा बन चुका है।

सोचिए, हमारी एक छोटी-सी खरीदारी किसी कारीगर के घर में दीपक जला सकती है। उपहार वही जो भारत में बना हो। पहनावा वही जो भारत में बुना हो। सजावट वही जो भारत के सामान से हो और रोशनी वही जो भारत में बनी झालरों एवं मोमबत्तियों से हो। जब आप स्वदेशी उपहार देते हैं तो अपनों को मिठास के साथ अपनेपन का भाव भी देते हैं।

विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर भारत के लिए हमें तन, मन और कण-कण में स्वदेशी का भाव भरना है। आइए, इस त्योहार गर्व से कहें, 'ये स्वदेशी है'। एक मंत्र 'वोकल फॉर लोकल', एक रास्ता 'आत्मनिर्भरता', एक लक्ष्य 'विकसित भारत'। इसीलिए इस त्योहार के महीने में 'वोकल फॉर लोकल' ही हमारे इस बार के अंक की आवरण कथा बनी है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा से राष्ट्र सेवा के 25 वर्ष होने पर विशेष सामग्री इस अंक में शामिल है। व्यक्तित्व की कड़ी में देश की पहली महिला एयर मार्शल डा. पद्मावती बंदोपाध्याय, केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पखवाड़े भर के कार्यक्रमों को इसमें शामिल किया गया है।

साथ ही, पत्रिका के इनसाइड पेज पर यूनेस्को विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल हुए भारत के 5 नए स्थल और बैक कवर पर 12 नवंबर को मनाए जाने वाले सार्वजनिक सेवा प्रसारण दिवस पर विशेष सामग्री समाहित है।

आप अपने सुझाव हमें भेजते रहें।

(धीरेन्द्र ओझा)

हिंदी, अंग्रेजी व अन्य 11 भाषाओं में उपलब्ध पत्रिका पढ़ें/डाउनलोड करें।
https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx

आपकी बात...





खुद को अपडेट रखने में बहुत उपयोगी न्यू इंडिया समाचार पत्रिका

मैं 'न्यू इंडिया समाचार' का नियमित पाठक हूं। यह पत्रिका भारत सरकार की योजनाओं, नीतियों और समसामयिक मामलों के बारे में खुद को अपडेट रखने के लिए बहुत उपयोगी है। यह पत्रिका देश की तरक्की के बारे में मेरी जानकारी बढ़ाती है। मुझे एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर ज्यादा समझने और हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करती है।

निवेश गोयल
goyalnivesh98@gmail.com

नए अंक का बेसब्री से रहता है इंतजार

मुझे न्यू इंडिया समाचार पत्रिका पढ़ना बहुत पसंद है। नए अंक का बेसब्री से इंतजार करता हूं। हर बार इसे पढ़ने पर मुझे भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता के बारे में और जानने को मिलता है। साथ ही, यह पत्रिका भारत की विकास की संभावनाओं को भी दिखाती है। यह बताती है कि कैसे देश 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को पाने के लिए हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

shivanshchouhan397@gmail.com

समसामयिक मामलों की जानकारी का बेहतरीन माध्यम

एक शिक्षक के तौर पर मेरा मानना है कि जरूरतमंद और जिज्ञासु विद्यार्थियों में ज्ञान का संचार करने की कोशिश होती रहनी चाहिए। मैं नियमित रूप से 'न्यू इंडिया समाचार' डाउनलोड करता हूं। यह सरकारी पहलों, योजनाओं और समसामयिक मामलों की जानकारी फैलाने का एक बेहतरीन माध्यम है। इससे 'नए भारत' में हो रही प्रगति के बारे में ठोस जानकारी मिलती है।

प्रदीप कुमार साहू
pradeepgrasshopper@gmail.com

व्यक्तिगत विकास, ज्ञान और कौशल विकास में मिलती है मदद

मैं नियमित रूप से न्यू इंडिया समाचार पत्रिका पढ़ता हूं। यह ज्ञानवर्धक है। सरकार की विकास कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिलती है। यह मेरे व्यक्तिगत विकास, ज्ञान और कौशल के विकास में भी मदद करती है। मुझे इस पत्रिका को पढ़ना और इससे सीखना दोनों पसंद है।

भास्कर सिंह महर
bhaskarmahar65@gmail.com

पत्राचार और ईमेल के लिए पता: कमरा संख्या-1077, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003

ईमेल- response-nis@pib.gov.in

समाचार सार

विकसित भारत-जी रामजी में हो सकेंगे 375 तरह के कार्य

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 में पूर्व की मनरेगा में कराए जा सकने वाले 266 कार्यों की तुलना में अब 375 कार्य कराए जा सकेंगे। इसमें पहली बार 38 विशेष कार्यों की एक नई श्रेणी जोड़ी गई है। यह कार्य एक्स्ट्रीम मौसम की घटनाओं और आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए है।

जल सुरक्षा की श्रेणी में ड्रिप सिंचाई, फव्वारा प्रणाली, छतों पर वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण जैसे नए उपायों को भी शामिल किया गया है। अब जल जीवन मिशन की जलापूर्ति बुनियादी ढांचे की मरम्मत और रखरखाव भी इसमें शामिल किया गया है। नई अनुसूची में दिव्यांगजनों की सुगम्यता के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं, जिनमें सरकारी भवनों में सीढ़ियों और रैंप का निर्माण शामिल है।

हर वर्ग के लिए कार्यों को मंजूरी

नई अधिसूचना में कृषि-किसान, कमजोर परिवार, महिला और ग्रामीण युवाओं पर विशेष जोर दिया गया है। 181 कार्य कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों के लिए है जिनमें 52 व्यक्तिगत लाभार्थी कार्य शामिल हैं। इसी तरह अंत्योदय या कमजोर परिवारों के लिए 107 कार्य निर्धारित किए गए हैं। नारी शक्ति से संबंधित 36 कार्य और युवा शक्ति से संबंधित 36 कार्य भी शामिल हैं।





देश में और घटेगी गरीबी... विश्व बैंक

विश्व बैंक ने अक्टूबर की अपनी सार्वजनिक सूचना में कहा है कि पिछले दस सालों में भारत ने गरीबी घटाने में बहुत अच्छी प्रगति की है। दुनिया में सबसे तेज गति से गरीबी में गिरावट लाने वाले देशों में भारत शामिल है। विश्व बैंक ने कहा है कि आगे भी गरीबी घटेगी। वर्ष 2026 में भारत में 14.2 फीसदी गरीबी दर है जो 2028 तक 12.1% रहने का अनुमान है।

विश्व बैंक ने आगे लिखा है कि 2011 से 2023 के बीच, दैनिक लगभग 400 रुपये से कम में जीवन यापन करने वाले लोगों का हिस्सा 57.7% से घटकर 16.1% हुआ। करीब 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले। वहीं अत्यधिक गरीबों का प्रतिशत 27.1 से घटकर 2.6 रह गया। गरीबी घटने के प्रमुख कारणों में रोजगार और विशेषतौर पर महिलाओं के रोजगार में वृद्धि बताई गई है। साथ ही सरकार से सस्ता अनाज मिलना और खर्च एवं खपत में वृद्धि भी गरीबी घटाने में सहायक बना है।

भारत का उभरता सुपरकंप्यूटिंग इकोसिस्टम

भारत डिजिटल इंडिया के साथ ही डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इकोसिस्टम को भी मजबूत कर रहा है। इस इकोसिस्टम की वजह से देश में उन्नत कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग भी बढ़ रही है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डेटा भारत उत्पन्न करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष अनुसंधान में कंप्यूटिंग क्षमताओं की जरूरत होती है। यही वजह है कि केंद्र सरकार अनुसंधान संस्थानों में सुपर कंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रही है। राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन में हो रहे कार्यों का ही नतीजा है कि सितंबर 2026 तक भारत अपने 40 सुपर कंप्यूटर तैनात कर चुका है जिनकी क्षमता 68 पेटाफ्लॉप है। लक्ष्य 123 पेटाफ्लॉप से अधिक क्षमता वाले 50 सिस्टम का है।





कैंसर की दवाएं सस्ती होंगी...
सालाना 2,500 करोड़ रुपये की होगी बचत

सरकार ने गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर सप्लाई और बिक्री में लिए जाने वाले मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30% तक सीमित करने की मंजूरी दी है। इससे कुछ दवाओं की कीमतों में 70% तक कमी आने और इससे सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है।

फिलहाल जरूरी अनुसूचित कैंसर दवाओं की कीमतों पर सरकार का नियंत्रण है। अब यह व्यवस्था सूची से बाहर की कैंसर दवाओं तक भी बढ़ाई जाएगी। इनमें ब्रांडेड और जेनेरिक, देश में बनी और आयातित तथा पेटेंट वाली और बिना पेटेंट वाली दवाएं भी शामिल होंगी। सरकार के अनुसार, ऐसी दवाओं की कीमत सप्लाई चेन में औसतन करीब 170% तक बढ़ जाती है, जबकि कुछ मामलों में यह बढ़ोतरी 700% से अधिक है। 2019 में 42 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर मार्जिन सीमा लगाने से 526 ब्रांड की एमआरपी में 91% तक कमी आई थी। मरीजों को 984 करोड़ रुपये की सालाना बचत हुई थी।

संचार साथी से जागरूक हुए लोग...
रोकी 5,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए दूरसंचार संसाधनों का दुरुपयोग रोकने के लिए शुरू संचार साथी पोर्टल लोगों को न सिर्फ जागरूक कर रहा है बल्कि 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी भी रोक चुका है। मई 2023 में शुरू होने के बाद सितंबर, 2026 तक इस पोर्टल को 30 करोड़ से अधिक बार देखा गया है। इतना ही नहीं 4 करोड़ लोगों ने अपने नाम मोबाइल कनेक्शन की जानकारी के लिए संपर्क किया है।

आम नागरिकों के लिए सेवाएं

- खोया या चोरी हुआ फोनः फोन को सभी नेटवर्क पर ब्लॉक और ट्रैक कराया जा सकता है। अब तक 14 लाख से अधिक हैंडसेट बरामद हुए हैं।
- अपने नाम के मोबाइल कनेक्शनः नागरिक देख सकते हैं कि उनके नाम पर कितने कनेक्शन जारी हैं और अनजान कनेक्शन की रिपोर्ट कर सकते हैं।
- संदिग्ध कॉल या मैसेजः चक्षु सुविधा से फर्जी कॉल, एसएमएस और व्हाट्सएप संदेशों की शिकायत की जा सकती है।





केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय

एमएसएमई को 10,000 करोड़ रुपये का फंड

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को विस्तार

लघु एवं मध्यम उद्यमों में प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एसएमई ग्रोथ फंड की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है जिससे इन उद्योगों में नई ऊर्जा का संचार होगा। इस फंड से उद्योगों के विस्तार, टेक्नोलॉजी को अपनाने और ग्लोबल मार्केट में पहुंच को मजबूती मिलेगी। साथ ही, रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को अगले पांच साल तक जारी रखने, एकीकृत परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण गठन सहित अन्य प्रस्ताव को भी मिली है मंजूरी...

निर्णय : लघु एवं मध्यम उद्यमों में प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश के लिए एसएमई ग्रोथ फंड की स्थापना के लिए 10,000 करोड़ रुपये की मंजूरी।

प्रभाव : इस पहल के माध्यम से उद्यमियों को सशक्त बनाने और प्रतिस्पर्धी उद्यमों की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। उच्च विकास दर वाले लघु एवं मध्यम उद्यमों में निवेश को बढ़ावा देकर, यह कोष अग्रणी उद्यमियों का निर्माण करने, नवाचार-आधारित औद्योगीकरण को गति देने और देश भर में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायक होगा। यह पहल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में कार्य करेगी।

- टियर-II और टियर-III शहरों सहित औद्योगिक समूहों में निवेश से क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती मिलेगी और उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित होंगे।

निर्णय : परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव के आकलन को मजबूत करने के लिए एकीकृत परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण (आईटीएलए) - एक स्पेशल पर्पज व्हीकल की स्थापना को स्वीकृति।

प्रभाव : इसका उद्देश्य परिवहन से संबंधित विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों में बिखरी हुई योजनाओं और कार्यान्वयन से उत्पन्न दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करना है।

- आईटीएलए के माध्यम से बेहतर समन्वय और मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन को बढ़ावा देकर भारत में परिवहन संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की कार्यकुशलता, स्थिरता और प्रभावशीलता में वृद्धि होने की उम्मीद है।
- आईटीएलए की स्थापना भारत के विजन 2047 को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
- बहुआयामी संपर्क को सुदृढ़ करने, बुनियादी ढांचे की दक्षता में सुधार, लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने और भारत की वैश्विक लॉजिस्टिक्स प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।
- आईटीएलए अनुसंधान, योजना, डेटा एकीकरण, परियोजना निगरानी और मूल्यांकन के लिए संस्थागत क्षमता का निर्माण करेगी।
- क्षमता विकास और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम तौर-तरीकों को अपनाने में सहयोग प्रदान करेगी। ■

कैबिनेट के फैसलों पर प्रेस ब्रीफिंग देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।



निर्णय : राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को पांच वर्षों के लिए 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी।

प्रभाव : पेंशन के लिए दिव्यांगता की न्यूनतम सीमा 80% से घटाकर 40% कर दी गई है, जिससे अधिक दिव्यांगजन इस योजना का लाभ उठा सकेंगे।

- अब दिव्यांगजनों को जन्म से ही पेंशन योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा।
- इन बदलावों से अधिक दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा और पेंशन योजना का दायरा बढ़ेगा।
- योजना और इसकी उप-योजनाओं के नाम बदले जाएंगे।
- इसके लिए 53,428 करोड़ रुपये का कुल बजट निर्धारित किया गया है।
- 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 3.20 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा।
- यह भी अनिवार्य किया गया है कि दिव्यांगता संबंधी सहायता अन्य श्रेणियों के लिए प्रस्तावित समान योजनाओं की तुलना में हमेशा 25 प्रतिशत अधिक हो।

निर्णय : करीब 11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के उत्पादकता-आधारित बोनस (पीएलबी) को मंजूरी।

प्रभाव : यह दिन-रात मेहनत करने वाले कर्मठ कर्मचारियों के लिए दीपावली का उपहार है। 2009.61 करोड़ रुपये का कुल बोनस दिया गया है। पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है।

निर्णय : आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के रणनीतिक पुनर्गठन को मंजूरी दी।

प्रभाव : बैंक की कुल 60.72% इक्विटी हिस्सेदारी एक रणनीतिक खरीदार को बेची जाएगी। इसमें भारत सरकार की 30.48% और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 30.24% हिस्सेदारी शामिल है।

- इस लेन-देन के बाद आईडीबीआई बैंक लिमिटेड में भारत सरकार की 15% और एलआईसी की 19% हिस्सेदारी बनी रहेगी।

कैबिनेट के फैसलों पर प्रेस ब्रीफिंग देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।







'वी विल डू इट'

नए भारत की सामूहिक शक्ति का प्रतीक

गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर भारत के प्रधानमंत्री तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में नीतिगत फैसलों, जनकल्याणकारी पहल, राष्ट्रीय मिशन और सुधारों के कई महत्वपूर्ण पड़ाव रहे हैं। इसमें नीति से लेकर अंतिम व्यक्ति तक पहुंच, आत्मनिर्भरता से तकनीक तक, राष्ट्रीय सुरक्षा से संस्थागत सुधार तक शामिल रहे हैं। यही कारण है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6 अक्टूबर को उनके 25 वर्षों के निरंतर, अखंड नेतृत्व पर बधाई प्रस्ताव पारित किया। वहीं 7 अक्टूबर को सेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में 'वी विल डू इट' (हम करके रहेंगे) को नए भारत की सामूहिक शक्ति का बताया प्रतीक...

एक यात्रा जो 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा - जनता के बीच, देश के लिए और राष्ट्र निर्माण के संकल्प और समर्पण से आगे बढ़ती गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 साल की सेवा के दौरान न केवल बड़े फैसले लिए बल्कि नई सोच की नींव रखी। 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी 25 वर्षों की यात्रा को देशवासियों के विश्वास और कार्यकर्ताओं के परिश्रम की सामूहिक पूंजी बताया। साथ ही, उन्होंने जनशक्ति को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

श्री विनायक मंदिर में पूजा अर्चना

पीएम मोदी ने 7 अक्टूबर की सुबह श्री विनायक मंदिर में पूजा अर्चना की और देश के 140 करोड़ नागरिकों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने स्वयं के लिए शक्ति मांगी कि वे देश की और अधिक ऊर्जा के साथ सेवा कर सकें। उन्होंने कहा कि आज वे जहां हैं और जिस दायित्व पर हैं, उसमें सबसे बड़ा योगदान जनता-जनार्दन के साथ ही लाखों कार्यकर्ताओं के विश्वास और परिश्रम का है।



आज भी स्वयं को विद्यार्थी मानते हैं पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि सीखने की ललक उनके जीवन का हिस्सा रही है और वे आज भी स्वयं को विद्यार्थी मानते हैं। उन्होंने कहा कि पीछे मुड़कर देखने पर उनके मन में केवल कृतज्ञता का भाव आता है। उन्होंने कहा कि जिसने उन्हें जिताया, उसने विनम्र होना सिखाया, जिसने गिराया, उसने फिर खड़ा होना सिखाया। विरोध ने उन्हें लोकतंत्र की शक्ति समझाई और हर संकट ने धैर्य की परीक्षा ली।

सपने बड़े और हौसले बुलंद होने चाहिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि गांवों और गरीबों के जीवन ने उन्हें यह सिखाया कि संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन सपने बड़े और हौसले बुलंद होने चाहिए। उन्होंने देश की सांस्कृतिक परंपरा और स्वयंसेवकों के योगदान को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि मां भारती की सेवा के संकल्प के साथ काम करने वाले करोड़ों स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं का सहयोग उनकी यात्रा की बड़ी शक्ति रहा है।

'We Will Do It'

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 'We Will Do It' को नए भारत की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल स्मरण करने का विषय नहीं, बल्कि संकल्पों को नई ऊर्जा देने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 वर्षों

> *"जिसने मुझे जिताया... उसने मुझे विनम्र होना सिखाया। जिसने मुझे गिराया... उसने मुझे फिर खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा साथ दिया... उसने मुझे विश्वास की शक्ति दिखाई। जिसने मेरा विरोध किया... उसने मुझे लोकतंत्र की शक्ति समझाई।*
>
> **– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

की सार्वजनिक जीवन की यात्रा को वे व्यक्तिगत महिमामंडन के रूप में नहीं देखते। उनके लिए जीवन का उद्देश्य पद या राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि मिशन है।



मंत्रिमंडल ने पारित किया 25 वर्षों के निरंतर, अखंड नेतृत्व पर बधाई प्रस्ताव

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष तक निरंतर नेतृत्व पूर्ण करने पर बधाई देने वाला प्रस्ताव पारित किया। यह औपचारिक सम्मान से कहीं अधिक राष्ट्र प्रथम और नागरिक प्रथम के सिद्धांत से निर्देशित प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण यात्रा का उत्सव है। गुजरात में तीन बार मिले प्रचंड जनादेश और लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिले समर्थन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनता का अटूट विश्वास झलकता है। पढ़िए प्रस्ताव के महत्वपूर्ण अंश...

ये दस प्रमुख विशेषताएं गुजरात और फिर संपूर्ण भारत में उनके नेतृत्व को जोड़ने वाले अखंड सूत्र को दर्शाती हैं।

1. गुजरात से भारत तक विकास के दृष्टिकोण का विस्तार

प्रस्ताव में बताया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने किस प्रकार गुजरात की सफल पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया। स्वागत (एसडब्ल्यूएजीएटी) पहल जिसके माध्यम से उन्होंने व्यक्तिगत रूप से नागरिकों की शिकायतें सुनीं, उसको 2010 में संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार मिला। बाद में इसी पहल ने प्रगति (**PRAGATI**) को प्रेरित किया जिसने सरकारों को एक साथ लाकर रुकी हुई परियोजनाओं की समीक्षा करने, बाधाओं को दूर करने और उन्हें पूरा करने में तेजी लाने का काम किया। इसी तरह कृषि के लिए ज्योतिग्राम की अलग विद्युत लाइन एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण बन गईं, गुजरात के इस अनुभव का संपूर्ण भारत में विस्तार हुआ।

2. गरीबों के प्रति करुणा ने व्यापक स्तर पर सम्मान का रूप ले लिया

प्रधानमंत्री मोदी की गरीबी के प्रति संवेदनशीलता उनकी मां को रोजमर्रा की कठिनाइयों से जूझते हुए देखने और यात्राओं के दौरान अभाव का सामना करने से विकसित हुई।

जनशक्ति के बल पर गुजरात ने हासिल की विकास की नई ऊंचाइयां

प्रधानमंत्री ने गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में अपने अनुभवों को याद करते हुए कहा कि उस समय उनके पास शासन का लंबा अनुभव नहीं था, लेकिन जनता पर विश्वास था। उन्होंने जनता को साथ लेकर निर्णय लेने, नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को अपनी कार्यशैली का आधार बनाया। इसी जनशक्ति के बल पर गुजरात ने विकास की नई ऊंचाइयां हासिल कीं। पीएम ने कहा कि 2014

यह प्रस्ताव इन अनुभवों को घरों, पानी, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने वाले कार्यक्रमों से जोड़ता है। लगभग 60 करोड़ जन धन खाते, 4 करोड़ से अधिक पक्के घर और 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकालना यह दर्शाता है कि किस प्रकार व्यक्तिगत समझ सार्वजनिक कार्रवाई में बदल गई।

3. सशक्तीकरण से समाज के सभी क्षेत्रों में खुले अवसर

इस प्रस्ताव में प्रधानमंत्री मोदी का लोगों को अपना भविष्य संवारने में सहायता करने का संकल्प स्पष्ट रूप से झलकता है। लगभग 3.5 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनीं, वहीं नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। स्टार्टअप, कौशल विकास और शिक्षा संबंधी सुधारों ने युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया। पीएम-किसान योजना के अंतर्गत 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का हस्तांतरण सीधे किसानों के खाते में हुआ, जबकि पीएम-जनमन योजना ने विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समुदायों को लक्षित सहायता प्रदान की जिससे ऐतिहासिक रूप से पिछड़े समुदायों तक विकास का विस्तार हुआ।

4. सुधार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता

प्रस्ताव में राजनीतिक जोखिमों के बावजूद सुधारों को आगे बढ़ाने की प्रधानमंत्री मोदी की तत्परता पर विशेष बल दिया गया है। जीएसटी, कल्याणकारी वितरण में सुधार और औपनिवेशिक कानूनों का प्रतिस्थापन दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। स्वच्छता, डिजिटल भुगतान और स्थानीय उत्पादों पर उनकी अपील ने नागरिकों को बदलाव के लिए प्रेरित किया।

5. आत्मनिर्भर भारत की नींव का निर्माण

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। साथ ही राजमार्ग का रिकॉर्ड विस्तार और करीब-करीब शत-प्रतिशत रेलवे का विद्युतीकरण भी हुआ। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन लगभग 2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। रक्षा उत्पादन और सेमीकंडक्टर विनिर्माण भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता को मजबूत करने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं।

6. प्रौद्योगिकी से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का विस्तार

प्रधानमंत्री मोदी का प्रौद्योगिकी पर विश्वास रोजमर्रा की सेवाओं और वैज्ञानिक क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों से स्पष्ट होता है। जन धन, आधार और मोबाइल संपर्क ने कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में सुधार किया जबकि यूपीआई ने भुगतान प्रणाली का कायाकल्प कर दिया। भारत में कोविड-19 के टीके विकसित करना और चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतारना, प्रधानमंत्री मोदी के वैज्ञानिक रूप से सक्षम, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

7. उथल-पुथल भरे समय में दृढ़ नेतृत्व

इस प्रस्ताव में वैश्विक उथल-पुथल के दौर में भारत को दिशा देने की प्रधानमंत्री मोदी की क्षमता को बताया गया है। कोविड-19 के दौरान उन्होंने देश को एकजुट किया, घरेलू टीकों के विकास का समर्थन और त्वरित टीकाकरण को संभव बनाया। पश्चिम एशिया संकट के दौरान समय पर लिए गए निर्णयों और ऊर्जा सुरक्षा संबंधी उपायों ने भारत को व्यवधानों का सामना करने में मदद की।

8. निर्णायक नेतृत्व से शांति व आत्मविश्वास हुआ सुनिश्चित

2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट हवाई हमले और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थापित राष्ट्रीय सुरक्षा की रणनीतिक सीमाओं को दर्शाते हैं। प्रस्ताव में इन्हें अनुच्छेद 370 को हटाने, एक रैंक एक पेंशन और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद के सृजन के साथ रखा गया है। माओवादी आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई और पूर्वोत्तर में शांति प्रयासों से ऐसे नेतृत्व का पता चलता है जो राष्ट्रीय संकल्प को विकास, स्थिरता और जनविश्वास के साथ जोड़ता है।

में उन्हें देश के प्रधानसेवक के रूप में सेवा का अवसर मिला। उस समय देश आर्थिक चुनौतियों, महंगाई और निराशा से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने फिर जनशक्ति का आह्वान किया और 'We Will Do It' का विश्वास जगाया।

आज रिफॉर्म की गति की चर्चा

पीएम मोदी ने बीते वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, निर्यात, मोबाइल उत्पादन और सौर ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में आए बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जहां पहले संकट



9. विश्व मंच पर बढ़ रहा भारत का प्रभाव और महत्व

इस प्रस्ताव में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को प्रधानमंत्री मोदी की विभिन्न मतभेदों के बावजूद सहयोग स्थापित करने की क्षमता से जोड़ा गया है। जी20 और ब्रिक्स सम्मेलनों में सर्वसम्मति का निर्माण, विकासशील और पिछड़े देशों के पक्ष का समर्थन और अफ्रीकी संघ का जी20 में शामिल होना उनके कूटनीतिक नेतृत्व को दर्शाता है। वैक्सीन मैत्री अभियान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की क्षमताएं दूसरों के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकती हैं। 36 देशों से प्रधानमंत्री मोदी को प्राप्त अंतरराष्ट्रीय सम्मान, साझा समाधानों में भारत के बढ़ते प्रभाव और योगदान को दिखाता है।

10. प्रगति को विरासत और उत्तरदायित्व से शक्ति मिलती है

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि विकास, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को एक साथ जोड़ती है। जलवायु परिवर्तन संबंधी कार्यों में गुजरात के समर्पित विभाग से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों तक प्रगति हुई है। योग, मोटे अनाज, काशी विश्वनाथ धाम और रामलला की प्रतिमा की स्थापना ने भारत के उसकी विरासत से संबंध को और भी मजबूती प्रदान की है।

कैबिनेट में पास प्रस्ताव शब्दशः पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें।

के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी की चर्चा होती थी, आज भारत की रेजिलिएंस की चर्चा होती है। कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2015 से 2025 के दशक में कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

'सबका साथ, सबका विकास' सुशासन का आधार

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' उनके लिए सुशासन का आधार है। उन्होंने सुशासन को 'सैचुरेशन' से जोड़ते हुए कहा कि इसका अर्थ है कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक योजना का लाभ पहुंचे, कोई हकदार पीछे न रह जाए और किसी के अधिकार पर कोई डाका न डाल सके।

युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को पर्यटन, शिक्षा, मनोरंजन, स्वास्थ्य

सुशासन के 25 साल

राष्ट्रपति, वैश्विक नेताओं और सहयोगियों ने की सराहना

7 अक्टूबर 2026 को सरकार के प्रमुख के रूप में लगातार 25 वर्ष का ऐतिहासिक कार्यकाल पूरा होने पर वैश्विक नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं और बधाई दी। वर्ष 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने और उसके बाद 2014 में भारत के प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद से 25 वर्ष पूरे होने पर, वैश्विक नेताओं ने उनके परिवर्तनकारी नेतृत्व, सुशासन के प्रति समर्पण और वैश्विक शांति, समावेशिता एवं सतत विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने संदेश में कहा कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि लोगों की भलाई के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अलावा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति थिरु सीपी राधाकृष्णन सहित देश-विदेश के गणमान्य हस्तियों ने भी बधाई संदेश दिया। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू सहित फिलिपिंस के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दिया। वहीं नेपाल के प्रधानमंत्री, बोत्सवाना गणराज्य के राष्ट्रपति, बेल्जियम के प्रधानमंत्री, जापान की प्रधानमंत्री सहित कॉमनवेल्थ ऑफ डोमिनिका के प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को भी बधाई संदेश दिया।

प्रधानमंत्री ने एल.के. आडवाणी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा के 25 वर्ष के अवसर पर पूर्व उप-प्रधानमंत्री एल.के. आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। मोदी ने आडवाणी की दशकों की जनसेवा और राष्ट्रीय जीवन में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके योगदान ने देश की प्रगति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।



एवं वेलनेस, खेल, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बनाने की संकल्पना सामने रखी। उन्होंने युवाओं को भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि देश की युवा आबादी इतिहास से मिला असाधारण अवसर है। इसका उपयोग करते हुए ऐसे प्रयास करने होंगे ताकि आने वाली पीढ़ियों को पिछली पीढ़ियों की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

जीवन का कण-कण, क्षण-क्षण भारत भूमि को समर्पित

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें ये शपथ लेकर आगे बढ़ना है कि राष्ट्र प्रथम मेरा संकल्प रहेगा, राष्ट्र समृद्धि मेरा प्रण रहेगा, राष्ट्र की सेवा मेरा लक्ष्य रहेगा। कर्म मेरा धर्म रहेगा, कर्तव्यपालन मेरा प्रण रहेगा। स्व से समष्टि तक, स्वयं से वयम् तक, मेरे जीवन का कण-कण, क्षण-क्षण भारत भूमि को समर्पित रहेगा। और जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक मैं न रुकूंगा, न थकूंगा, न अपने पथ से डिगूंगा। ■

वोकल फॉर लोकल एक आह्वान

जुड़ गया प्रत्येक भारतीय का मन

दीपावली की जगमग रोशनी के बीच इस बार देश एक और उजाले का जश्न मना रहा है- आत्मनिर्भरता का उजाला। 'मन की बात' से गूंजा 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान आज केवल नारा नहीं, जीवनशैली बन चुका है। यह यात्रा मिट्टी के दीये से शुरू होकर आज सेमीकंडक्टर चिप और परमाणु ऊर्जा तक पहुंच चुकी है। खादी हो या रक्षा निर्यात, खिलौना उद्योग हो या कृषि अथवा अन्य निर्यात, भारतीयता की गूंज दुनियाभर में सुनाई दे रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी सिखा दिया कि स्वदेशी केवल बाजार का विषय नहीं, देश की सुरक्षा की ढाल भी है। यह दीपावली इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह वह मोड़ है जहां भारत अपने कारीगरों के हुनर पर गर्व करते हुए 2047 के विकसित भारत की नींव रख रहा है। इस दीपावली, छठ महापर्व जैसे त्योहारों के पावन अवसर पर आइए जानते हैं कि कैसे हर दीया, हर उपहार, हर खरीद केवल रोशनी या त्योहार भर नहीं है। अब यह 140 करोड़ भारतीयों का है स्वदेशी, आत्मनिर्भता और समृद्ध भारत का संकल्प...







भारत त्योहारों का देश है। यहां हर धर्म, हर समुदाय के उत्सव के साथ केवल खुशियां नहीं, एक संकल्प भी जुड़ता है। प्रत्येक संकल्प का अपना एक अर्थ और एक मर्म होता है। दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है, तो ईद भाईचारे और सामूहिकता का संदेश देती है। क्रिसमस प्रेम और करुणा की सीख देता है, गुरुपर्व सेवा और त्याग का मार्ग दिखाता है, तो बुद्ध पूर्णिमा करुणा और अहिंसा का पाठ पढ़ाती है। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह को एक धागे में पिरोता है, तो मकर संक्रांति दान और समरसता का संदेश देती है। छठ महापर्व सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञता का, अनुशासन और तप का पर्व है, जहां निर्जला व्रत रखकर उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यह प्रकृति के प्रति सम्मान की सबसे गहरी परंपरा को जीवंत करता है। नवरात्रि, ओणम, पोंगल, बैसाखी, बिहू, प्रत्येक त्योहार की अपनी परंपरा और अपनी कहानी है, लेकिन एक भावना इन सबको जोड़ती है और वह है- उत्सव में सामूहिकता की भावना। बीते कुछ वर्षों में इसी सामूहिकता की भावना के साथ एक नया संकल्प भी जुड़ गया है, जो सभी समुदाय, धर्म, क्षेत्र के त्योहार को एक सूत्र में पिरोता है। यह संकल्प है 'वोकल फॉर लोकल' का।

छठ महापर्व तो मानो इस भावना का सबसे सहज और जीवंत उदाहरण है। सूप और दउरा बांस से बने होते हैं, बिहार, पूर्वांचल के हजारों बांस शिल्पियों की आजीविका इसी से चलती है। पूजा की डाला और टोकरी हो या मिट्टी के दीये और चूल्हे, गांव के कुम्हारों के हाथों का हुनर हर घर तक पहुंचता है। प्रसाद में चढ़ने वाला ठेकुआ स्थानीय गेहूं और गुड़ से बनता है, तो अर्घ्य की थाली में सजने वाला गन्ना, नारियल, सुथनी, केला और सुपारी सीधे स्थानीय किसानों के खेतों से आते हैं। हल्दी का पौधा, दीपक जलाने की मिट्टी की परात, यहां तक कि घाट पर बिछाई जाने वाली आसनी तक, छठ की हर सामग्री देसी है, हर सामग्री कारीगर, बुनकर और किसान के परिश्रम की कहानी कहती है। यही वजह है कि छठ बिना किसी आह्वान के, बरसों से 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को अपने आप जीता आया है। अब यह पर्व एक क्षेत्र विशेष से निकलकर वैश्विक स्वरूप ले चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने कार्यक्रमों में इसका विशेष वर्णन करते रहे हैं।



आवरण कथा

वोकल फॉर लोकल

‘वोकल फॉर लोकल’, ‘मेड इन इंडिया’ और ‘आत्मनिर्भर भारत’ के विजन का ही परिणाम है कि इस बार नवरात्रि से दीपावली तक देश में 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार होने का अनुमान कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने लगाया है।

भारतीयता के भाव से भरे इन त्योहारों में खरीदा जाने वाला सामान हो या कोई उपहार, जब यह सामान भारत की मिट्टी से, भारत के किसी कारीगर के हाथों से बनता है, तो त्योहार केवल आस्था का उत्सव नहीं रह जाता, राष्ट्र निर्माण में हर नागरिक की सीधी भागीदारी का माध्यम भी बन जाता है। यही वह भावना है जो 140 करोड़ भारतीयों को, उनकी विविधता के बावजूद, आत्मनिर्भर भारत के साझा संकल्प से जोड़ती है।

इस वर्ष भी दीपावली और छठ महापर्व एक विशेष अवसर लेकर आया है, जिसमें संकल्प है- वोकल फॉर लोकल का, जिसमें संकल्प है- स्वदेशी उत्पाद को वैश्विक बनाने का, जिसमें संकल्प है- 2047 तक भारत को विकसित बनाने का। ऐसे में त्योहार अब केवल परंपरा नहीं, अपनी आत्मनिर्भरता का उत्सव भी मनाता है। अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुके इस मुहिम की शुरुआत 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो पर प्रसारित पहले ‘मन की बात’ कार्यक्रम से हुई थी। यहां खादी के लिए किए गए आह्वान ने जनमानस पर अमिट छाप छोड़ी थी। फिर जून और अगस्त 2020 में, जब पूरी दुनिया कोविड महामारी के संकट से जूझ रही थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपील की, स्थानीय उत्पादों को अपनाइए, स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों के हुनर को पहचानिए। यह अपील महज एक नारा नहीं थी, यह आपदा को अवसर में बदलने का वह दृष्टिकोण था, जिसने आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक सोच की दिशा ही बदल दी। प्रधानमंत्री के इन आह्वान से आज, ‘वोकल फॉर लोकल’ केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक चेतना का हिस्सा बन चुका है। यह वह भावना है, जो हर गांव की हर दुकान पर, हर घर के हर बच्चे की सोच में, और हर बाजार के हर लेन-देन में झलकती है।



“बीते वर्षों में हमारा कनविक्शन रहा है कि भारत को हमें अब दूसरे देशों पर निर्भर रहकर के नहीं जीना चाहिए, हमें आत्मनिर्भर बनना चाहिए। दुनिया में बहुत कुछ मिलता है, सस्ता मिलता है, जल्दी मिल सकता है, लेकिन उससे हमारा सामर्थ्य तैयार नहीं होता है, ना हमारे सामर्थ्य की कसौटी होती है और इसलिए हमें भी अपनी क्षमताओं को बढ़ाना है, अपने हितों की सुरक्षा हमें खुद को करनी है, और इसलिए आत्मनिर्भर भारत का संकल्प बहुत दृढ़ता के साथ हम लेकर के आगे बढ़ रहे हैं। मेक इन इंडिया, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल, इन सारे क्षेत्रों में आज हर भारतीय का मन जुड़ रहा है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

एक मंत्र, जो जन आंदोलन बना

प्रधानमंत्री मोदी बार-बार यह स्पष्ट करते रहे हैं कि ‘वोकल फॉर लोकल’ का दायरा केवल मिट्टी के दीये या पूजा सामग्री खरीदने तक सीमित नहीं है। इसका विजन कहीं बड़ा है। इसका सीधा सा



सिर्फ मिट्टी के दीये खरीदना ही 'वोकल फॉर लोकल' नहीं है। आपको, अपने क्षेत्र में बने स्थानीय उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देना चाहिए। ऐसा कोई भी उत्पाद, जिसे बनाने में भारत के किसी कारीगर का पसीना लगा है, जो भारत की मिट्टी में बना है, वो हमारा गर्व है। हमें इसी गर्व पर हमेशा चार चांद लगाना है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अर्थ है कि हम अपने घर के लिए, अपने जीवन के लिए जो भी सामान खरीदें, एक बार यह जरूर देखें कि वह भारत में बना हो। चाहे कंपनी किसी भी देश की हो, नाम किसी भी भाषा का हो, लेकिन उत्पाद हिंदुस्तान की धरती पर, हिंदुस्तान के किसी कारीगर के पसीने से बना होना चाहिए। यही स्वदेशी की सहज परिभाषा है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी समय-समय पर देश के सामने रखते रहे हैं। यह भावना अकेले सरकार की मुहिम नहीं रह गई। मीडिया जगत, क्रिएटिव इंडस्ट्री के साथी, प्रभावशाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और सिने जगत की हस्तियां, सभी ने इस अभियान को अपनी आवाज दी है। प्रधानमंत्री ने बार-बार इंफ्लुएंसर और सेलिब्रिटीज से भी आग्रह किया है कि वे स्वयं भी वोकल फॉर लोकल को अपनाएं और अपने लाखों-करोड़ों फॉलोअर्स को भी इसके लिए प्रेरित करें।

आत्मनिर्भरता की कहानी बताते आंकड़े

किसी भी आंदोलन की सफलता का सबसे पुख्ता प्रमाण आंकड़े होते हैं। 'वोकल फॉर लोकल' के मामले में यह आंकड़े बेहद उत्साहजनक हैं। पिछले 12 वर्षों में रक्षा उत्पादन करीब 4 गुना हुआ। खादी और ग्राम उद्योग का उत्पादन 6 गुना हुआ, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग करीब 7 गुना बढ़ी, आधुनिक रेलवे कोच का निर्माण 21 गुना बढ़ा, मोबाइल फोन उत्पादन 35 गुना बढ़ा। इतना ही नहीं आधुनिक युग को देखें तो डिजिटल और इनोवेशन की दुनिया में भी भारत ने अपना परचम लहराया है। इंटरनेट यूजर करीब-करीब चार गुना बढ़े, पेटेंट ग्रांट होने की संख्या 4 गुना बढ़ी, डिजिटल ट्रांजैक्शन 100 गुना बढ़े। साथ ही, सामान्य मानवी की सुविधाओं की तरफ भी केंद्र सरकार ने उतनी ही गंभीरता से काम किया है। हर साल औसतन 15 गुना ज्यादा तेजी से नल से जल कनेक्शन दिए गए। हर साल औसतन छह गुनी ज्यादा रफ्तार से लोगों को गैस कनेक्शन दिए गए। हर साल चार गुनी रफ्तार से गरीबों के लिए टॉयलेट बनाने का काम हुआ है। हर साल तीन गुना ज्यादा तेजी से गरीबों को घर देने का काम हुआ है। देश ने गवर्नेंस में भी बहुत बदलाव किया है। हजारों की संख्या में गैर जरूरी अनुपालन खत्म किए गए। सैंकड़ों की तादाद में पुराने कानून खत्म किए गए क्योंकि पिछली शताब्दी के कानूनों से 21वीं शताब्दी की यात्रा नहीं हो सकती। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मेट्रो का विस्तार हुआ है, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को ताकत मिली है। जिस स्पीड और स्केल पर काम हुआ है, यह रफ्तार, विस्तार और यह सफलता आजादी के बाद पहली बार पिछले एक दशक में देखी गई है। जब इतनी सारी सिद्धियां सामने हों, इतनी तेज गति दिखाई देती हो, देशवासियों का सामर्थ्य पल-पल प्रबल होता हो, तो 2047 में विकसित भारत

आह्वान से आंदोलन तक

12 वर्षों में 'वोकल फॉर लोकल' से निकली सप्तधारा

12 वर्ष में स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल का आह्वान राष्ट्र की विकास की धारा बन गई है। आजादी के आंदोलन के समय चरखा और खादी प्रतीक बना तो आजाद भारत में जय जवान-जय किसान का नारा भारत में अनाज की समस्या से उबरने का माध्यम बना। अब 2014 से वोकल फॉर लोकल ने बहुआयामी प्रभाव डाला है और एक अपील से विकास की अनेकों धाराएं प्रवाहमान हुई है।



बनने का संकल्प कभी भी अधूरा नहीं रह सकता है। यह सारे आंकड़े इस बात के साक्षी बने हैं, भारत अब थमने-रूकने वाला नहीं, आगे बढ़ने वाला है।

सेमीकंडक्टर से लेकर परमाणु ऊर्जा तक: नई आत्मनिर्भरता की गाथा

इसी आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का ताजा उदाहरण है जब देश आजाद हुआ, तब दुनिया में सेमीकंडक्टर को लेकर बात होने लगी थी। भारत में भी बातें हुईं, लेकिन सेमीकंडक्टर की कोई

> *आज जब हम सब मिलकर विकसित भारत बनाने के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं, तो देश की हमसे भी एक अपेक्षा है। ये अपेक्षा है- आत्मनिर्भरता की। भारत विकसित तभी होगा, जब भारत आत्मनिर्भर होगा। और भारत की आत्मनिर्भरता के लिए जरूरी है- स्वदेशी का मंत्र।*
>
> **– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**



स्वदेशी की यात्रा : विकसित भारत का पड़ाव

वर्ष	पड़ाव
7 अगस्त 1905	बंगाल विभाजन के विरोध में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत
2014	मेक इन इंडिया का शुभारंभ
अक्टूबर 2014	मन की बात प्रोग्राम में खादी का कम से कम एक उत्पाद खरीदने का आह्वान
7 अगस्त 2015	पहला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस
जून-अगस्त 2020	'मन की बात' में वोकल फॉर लोकल का पहला आह्वान, आत्मनिर्भर भारत अभियान
24 जून 2021	टॉयकाथॉन-2021 - 'वोकल फॉर लोकल टॉयज' का आह्वान
27 फरवरी-2 मार्च 2021	पहला 'खिलौना मेला'
दिसंबर 2021	सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम को 76,000 करोड़ रुपये के परिव्यय से मंजूरी
अगस्त 2023	खादी टर्नओवर 1.3 लाख करोड़ रुपये के पार (राष्ट्रीय हथकरघा दिवस भाषण)
जनवरी 2024	अयोध्या में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा, स्वदेशी सामग्री और कला का प्रयोग
6-7 मई 2025	ऑपरेशन सिंदूर- स्वदेशी हथियारों का प्रदर्शन
अक्टूबर 2025	NCERT का 'स्वदेशीः वोकल फॉर लोकल' पाठ्यक्रम मॉड्यूल
28 फरवरी 2026	देश के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन
31 मार्च 2026	दूसरे सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन
जुलाई 2026	सेमीकॉन 2.0 (1,27,500 करोड़ रुपये) को मंजूरी
सितंबर 2026	12 में से 5 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में कॉमर्शियल उत्पादन शुरू

बड़ी योजना आगे नहीं बढ़ी। आज की डिजिटल व तकनीक की दुनिया में चिप का महत्व कितना है, इसे ऐसे समझा जा सकता है कि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मेडिकल इक्विपमेंट आदि में चिप अनिवार्य है। इस चिप के बिना दुनिया थम जाए। ऐसे में भारत ने आत्मनिर्भर होने की दिशा में अपना सेमीकंडक्टर प्लांट शुरू किया है। पांच सेमीकंडक्टर प्लांट शुरू हो चुके हैं और यहां से अब भारत निर्यात भी करने लगा है। आने वाले सात-आठ वर्ष में और 5 से 8 सेमीकंडक्टर प्लांट शुरू होने वाले हैं। यह आत्मनिर्भरता के साथ विकसित भारत की दिशा में जाने का मार्ग है।

दशकों तक भारत इस क्षेत्र में पीछे रहा लेकिन आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ अब तस्वीर तेजी से बदल रही है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अब तक 12 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जिनका निवेश 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री मोदी ने 28 फरवरी 2026 को देश के पहले और 31 मार्च 2026 को दूसरे सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया। सितंबर 2026 तक इनमें से पांच परियोजनाएं (माइक्रोन, केनीज सेमीकॉन, सीजी सेमी, सीडीआईएल सेमीकंडक्टर मोहाली और सुचि सेमीकॉन सूरत) वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर चुकी

आवरण कथा

वोकल फॉर लोकल

खादी

आंकड़ों से समझें आत्मनिर्भर होते भारत की कहानी

बिक्री में **501%** की वृद्धि





उत्पादन में **380%** की वृद्धि



रोजगार सृजन में **56%** की वृद्धि

2.04 करोड़ लोगों को रोजगार मिला।









(वित्त वर्ष 2025-26 में वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में)

हैं। सरकार ने जुलाई 2026 में सेमीकॉन 2.0 कार्यक्रम को भी मंजूरी दी है। इस कार्यक्रम में 1,27,500 करोड़ रुपये खर्च का प्रावधान किया गया है। इसका फोकस चिप डिजाइन, उपकरण-सामग्री निर्माण तथा उन्नत पैकेजिंग क्षमता बढ़ाने पर है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स-पीएसएमसी का धोलेरा फैब भी दिसंबर 2026 तक पहला सिलिकॉन उत्पादन शुरू करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।

जैसे सेमीकंडक्टर की बात होती है, उसी तरह क्रिटिकल मिनरल का भी महत्व है। जिस टेक्नोलॉजी की दिशा में दुनिया जा रही है उसमें ऊर्जा का महत्व और बढ़ता चला जा रहा है। अब ऊर्जा के बिना नई दुनिया को चलाना मुश्किल है। चिप हो, एआई हो या

“बीते वर्षों से हमारे त्योहारों के साथ देश का एक नया संकल्प भी जुड़ गया है। ये संकल्प है – ‘वोकल फॉर लोकल’ का। अब हम त्योहारों की खुशी में अपने स्थानीय कारीगर, शिल्पकार और व्यापारियों को भी शामिल करते हैं। हमें इस अभियान को और तेज करने का संकल्प लेना है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

इलेक्ट्रॉनिक्स

13.11

लाख करोड़ रुपये का उत्पादन 2025-26 में, वर्ष-2014-15 में 1.9 लाख करोड़ रुपये, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में 7 गुना वृद्धि।



4.24

लाख करोड़ रुपये का निर्यात 2025-26 में, वर्ष-2014-15 में 38 हजार करोड़ रुपये, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 11 गुना वृद्धि।

सेमीकंडक्टर

1,27,500

करोड़ रुपये के परिव्यय से 15 जुलाई 2026 को सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी।



1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश, छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजना को मंजूरी।



डाटा सेंटर, बहुत बड़ी मात्रा में बिजली की जरूरत होगी। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा समय की मांग है। देश ने पहले से ही उस दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन और बजट में घोषित क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर के जरिए भी भारत ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। अब दुनिया के कई देश इस क्षेत्र में भारत पर भरोसा जताने लगे हैं। तकनीक और आत्मनिर्भरता की इस यात्रा में ऊर्जा सुरक्षा एक और महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरी है। चिप हो, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हो या डाटा सेंटर, इन सबके लिए बड़ी मात्रा में बिजली की जरूरत होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ा लक्ष्य तय किया है कि 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल की जाएगी। इसके लिए संसद में शांति एक्ट पास करके, एक नए लक्ष्य पर जाने का रास्ता तय हो चुका है। इसी एक दशक में पांच नए न्यूक्लियर रिएक्टर शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस वर्ष भारत ने फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी में महारत हासिल करके एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है। इस सफलता के कारण परमाणु ईंधन में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में देश ने एक सफलता अर्जित की है।

स्वदेशी की ताकत, जब सुरक्षातंत्र भी बना आत्मनिर्भर

आत्मनिर्भरता सिर्फ आर्थिक समृद्धि का ही आधार नहीं है, यह राष्ट्रीय सुरक्षा की भी रीढ़ बन चुकी है। इसका सबसे सशक्त प्रमाण

आवरण कथा

वोकल फॉर लोकल

मोबाइल

6.27 लाख करोड़ रुपये

का मोबाइल उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26, वर्ष 2014-15 में 18,000 करोड़ रुपये, 33 गुना की वृद्धि।



2.60 लाख करोड़ रुपये

का निर्यात, वित्त वर्ष 2025-26, वित्त वर्ष 2014-15 में 1,566 करोड़ रुपये, 165 गुणा की वृद्धि।

मोबाइल निर्माण इकाई की संख्या



12 लाख नौकरियों में से, महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 70%, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में।



99.2% मोबाइल फोन, जो भारत में इस्तेमाल होते हैं, अब देश में ही बनाए जाते हैं।

मात्रा के हिसाब से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता देश है।

देश और दुनिया ने देखा। पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का बीड़ा उठाया और 6-7 मई 2025 की रात ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के भीतर आतंकी ठिकानों पर सटीक प्रहार किया। इस पूरे अभियान में भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत पूरी दुनिया ने देखी। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम, स्वदेशी मिसाइलें और स्वदेशी ड्रोन ने यह सिद्ध कर दिया कि आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल आर्थिक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा की गारंटी है। ब्रह्मोस जैसी स्वदेशी मिसाइलों ने देश के हर दुश्मन के

दुनिया में बहुत कुछ सस्ता और जल्दी मिल सकता है, लेकिन उससे हमारा सामर्थ्य तैयार नहीं होता है, न हमारे सामर्थ्य की कसौटी होती है। इसलिए हमें भी अपनी क्षमताओं को बढ़ाना है।अपने हितों की सुरक्षा करनी है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प बहुत दृढ़ता के साथ हम लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रक्षा

उत्पादन

1.78

करोड़ रुपये

वित्त वर्ष 2025-26, वित्त वर्ष-2014-15 में 46,429 करोड़ रुपये, करीब 4 गुना की वृद्धि।



निर्यात

38,424
करोड़ रुपये

5,500% की वृद्धि

686
करोड़ रुपये

वर्ष 2014-15



वर्ष 2025-26

खिलौने

$384.7
मिलियन का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में हुआ।

239%
बढ़ा निर्यात पिछले 4 वर्षों में

150
से अधिक देशों को भारत से हो रहा निर्यात



मन में एक स्थायी डर पैदा कर दिया है। इस ऑपरेशन से भारत के हर दुश्मन के भीतर भर गई है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि आज पाकिस्तान में कहीं यूं ही ब्रह्मोस की आवाज आ जाए तो वहां नींद नहीं आती।

सुरक्षा की आत्मनिर्भरता में एक मानवीय पहलू भी हर साल दीपावली के अवसर पर दिखता है। बीते 25 वर्ष से प्रधानमंत्री मोदी अपनी हर दिवाली सैनिकों के साथ ही मनाते आ रहे हैं। उनकी यही भावना भारत के जन-जन को सशक्त करने के साथ-साथ सीमा को भी सुरक्षित बनाए रखने का अटूट संदेश देती है।

सदियों पुरानी विरासत... स्वदेशी

स्वदेशी की यह भावना भारत के लिए नई नहीं है। बंगाल विभाजन की घोषणा के बाद 7 अगस्त 1905 को स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी, जब भारतीयों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संकल्प लिया। यह आंदोलन राजनीतिक ही नहीं, अंग्रेजों पर आर्थिक चोट करने वाला आंदोलन भी था, जिसके परिणामस्वरूप 1905-08 के दौरान आयात में उल्लेखनीय गिरावट आई और देश में स्वदेशी कपड़ा मिलों, साबुन-माचिस फैक्ट्री, चर्मशोधन कारखानों तथा बैंकिंग-बीमा कंपनियों की नींव पड़ी। उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए

आवरण कथा

वोकल फॉर लोकल

एफडीआई



94.84

अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश वित्त वर्ष-2025-26, वित्त वर्ष 2013-14 में 36.05 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

163%

की बढ़ोतरी पिछले 11 वर्षों में रिकॉर्ड की गई है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग



63वां वर्ष 2019

142वां वर्ष 2014

वस्त्र निर्यात

3,25,339

करोड़ रुपये हस्तशिल्प सहित भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात वर्ष 2025-26 में



100

से अधिक देशों में बढ़ा निर्यात

3,19,573.2

करोड़ रुपये वित्त वर्ष 2024-25 में

2014 से 'वोकल फॉर लोकल' और कोविड काल में 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र ने एक नए स्वदेशी आंदोलन को जन्म दिया है। इसी सोच से प्रेरित होकर केंद्र सरकार ने 7 अगस्त 2015 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरुआत की। हाल ही में एनसीईआरटी ने भी 'स्वदेशीः वोकल फॉर लोकल' नाम से विशेष पाठ्यक्रम मॉड्यूल तैयार किए हैं और इसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं लाल किले की प्राचीर से किया।

देश की ऐसी प्रगति के लिए आत्मविश्वास और आत्म गौरव की जरूरत होती है। यही वजह है कि बीते वर्षों में केंद्र सरकार का यह प्रण रहा है कि भारत को अब दूसरे देशों पर निर्भर रहकर नहीं जीना चाहिए, आत्मनिर्भर बनना चाहिए। दुनिया में बहुत कुछ मिलता है, सस्ता मिलता है, जल्दी मिल सकता है लेकिन उससे देश का सामर्थ्य तैयार नहीं होता है, न यह नागरिकों के सामर्थ्य की कसौटी होती है। प्रधानमंत्री मोदी कई अवसरों पर कहते भी हैं, "हमें भी अपनी क्षमताओं को बढ़ाना है, अपने हितों की सुरक्षा हमें खुद करनी है और इसलिए आत्मनिर्भर भारत का संकल्प बहुत दृढ़ता के साथ हम लेकर आगे बढ़ रहे हैं।" इसी व्यापक विजन का परिणाम है- मेक इन इंडिया, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल, इन सारे क्षेत्रों में आज हर भारतीय का मन जुड़ रहा है।

आज 140 करोड़ देशवासियों का एक ही मंत्र बन गया है- समृद्ध भारत। इसके पीछे एक भावना अमृत महोत्सव वर्ष से आगे बढ़ी है कि अगर कोटि-कोटि लोगों के बलिदान से स्वतंत्र भारत हो सकता

परमाणु ऊर्जा

परमाणु ऊर्जा मिशन

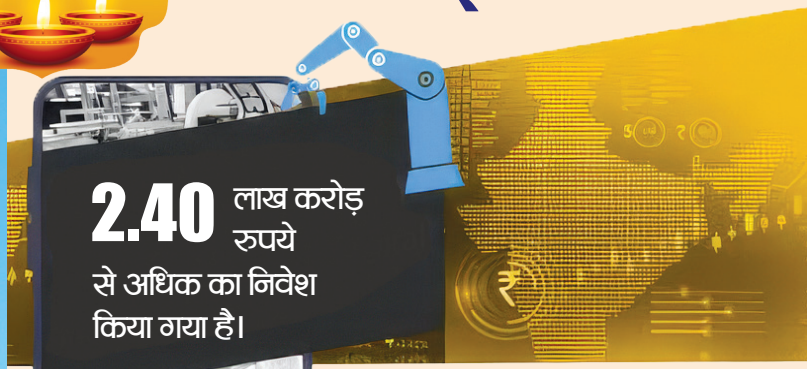
- भारत का लक्ष्य 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावॉट तक बढ़ाना है।

स्थापित क्षमता

- 8.78 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता 31 जुलाई 2026 तक।



पीएलआई



2.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।



14.15 लाख से अधिक रोजगार सृजित।

15.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात।

ऑटोमोबाइल

31.03

मिलियन यूनिट वाहन उत्पादन वर्ष 2025 में जबकि वर्ष 2021 में 22.65 मिलियन यूनिट।

3 करोड़

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार ऑटोमोबाइल सेक्टर से मिला है।



है, तो कोटि-कोटि लोगों के संकल्प, पुरुषार्थ, आत्मनिर्भर, वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी के मंत्र को अपनाने से, भारत समृद्ध भी बन सकता है। वो पीढ़ी स्वतंत्र भारत के लिए खप गई थी, ये पीढ़ी समृद्ध भारत के लिए नए कदम उठाए, यही समय की मांग है।

इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल मंत्र के साथ लाल किले की प्राचीर से भी आह्वान किया था, "मैं बार-बार आग्रह करता हूं। मैं देश के सभी इन्फ्लुएंसर्स को कहना चाहता हूं कि इस मंत्र को आगे बढ़ाने में मेरी मदद कीजिए। मैं सभी राजनीतिक दलों को, राजनेताओं को, सबसे कहता हूं कि आईये, यह किसी राजनीतिक दल का एजेंडा नहीं है, भारत हम सब का है, हम मिलकर वोकल फॉर लोकल के मंत्र को हर नागरिक के जीवन का मंत्र बनाएं। भारत में बनी हुई, भारत के नागरिकों के पसीने से बनी हुई वो चीजें, जिसमें भारत की मिट्टी की महक हो और जो भारत की आत्मनिर्भरता के संकल्प को ताकत देता हो, हम उसी को खरीदेंगे, उसी का उपयोग करेंगे, उस दिशा में आगे आएं, यह सामूहिक संकल्प हो, देखते ही देखते हम दुनिया बदल देंगे।"

खादी से खिलौने तक, जमीनी हकीकत की कहानियां

आजादी से पहले चरखा और खादी जन-आंदोलन का प्रतीक था। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के बाद खादी एक बार फिर राष्ट्रीय फैशन

डिजिटल अर्थव्यवस्था



भारत के जीडीपी में लगभग

12-14%

का योगदान देती है और अगले दशक में इसके 20 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।





'स्टेट ऑफ इंडियाज डिजिटल इकोनॉमी रिपोर्ट 2026' के अनुसार, भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था है।

का प्रतीक बनी है। इसकी पहुंच अब केवल भारत तक सीमित नहीं रही। मैक्सिको के ओहाका क्षेत्र में एक युवा, महात्मा गांधी से प्रेरित होकर भारत आया और वापस जाकर वहां के ग्रामीणों को खादी बनाना सिखाया। आज 'ओहाका खादी' एक स्थापित ब्रांड बन चुका है।

खिलौना उद्योग की कहानी भी कम प्रेरक नहीं है। अब खिलौनों की इसी समृद्ध परंपरा और भारतीय गौरव को एक मंच देने की दिशा में केंद्र सरकार ने कदम बढ़ाया है। भारतीय खिलौनों में नए-नए इनोवेशन के साथ संस्कृति को जोड़ते हुए खिलौना उद्योग आत्मनिर्भर होते हुए कैसे दुनिया में आगे बढ़े, इसके लिए जनवरी 2021 में टॉयकाथॉन का आयोजन किया गया था। फिर 27 फरवरी से 2 मार्च 2021 तक देश के इतिहास का पहला 'खिलौना मेला' आयोजित किया गया। 2021 में प्रधानमंत्री ने बताया था कि भारत अपनी जरूरत के करीब 80 प्रतिशत खिलौने आयात करता था। वहीं वैश्विक 100 अरब डॉलर के खिलौना बाजार में भारत की हिस्सेदारी महज डेढ़ अरब डॉलर थी। पांच वर्षों में यह तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। जुलाई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख खिलौना श्रेणियों में भारत का निर्यात 2017-18 के 15.27 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 38.47 करोड़ डॉलर हो गया। यानी लगभग 152% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभ

1 अर्थव्यवस्था

क्वांटम जंप लाए न कि वृद्धिशील परिवर्तन, सरकार का लक्ष्य भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है।



2 इंफ्रास्ट्रक्चर

भारत की नई पहचान। 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य, अगले 5 वर्षों में भारत में बुनियादी ढांचे के विकास में 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश।



3. प्रणाली

21वीं सदी की प्रौद्योगिकी-संचालित व्यवस्थाओं पर आधारित।

4 वाइब्रेंट डेमोग्राफी

जो आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ साबित होगी।



5. मांग

मांग एवं सप्लाई चेन की ताकत का उपयोग पूरी क्षमता से किया जाना चाहिए।



इलेक्ट्रॉनिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों के निर्यात में तो लगभग 160% की वृद्धि हुई। उल्लेखनीय बात यह है कि 2017-18 में जहां भारत को इस क्षेत्र में 21.3 करोड़ डॉलर का व्यापार घाटा होता था, वहीं 2025-26 में भारत ने 15.2 करोड़ डॉलर का व्यापार अधिशेष (सरप्लस) दर्ज किया। गुजरात के राजकोट से लेकर कर्नाटक के चन्नापटना, आंध्र प्रदेश के कोंडपल्ली-एटिकोप्पका और उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक फैले पारंपरिक टॉय क्लस्टर आज इस बदलाव के केंद्र में हैं। भारत में पारंपरिक खिलौनों के बारह क्लस्टर जीआई टैग प्राप्त हैं और यह विरासत लगभग पांच हजार साल पुरानी मानी जाती है।

हर घर, हर दुकान का संकल्प

प्रधानमंत्री मोदी हर छोटे-बड़े व्यापारी और दुकानदार से भी आग्रह करते रहे हैं कि वे अपनी दुकानों पर गर्व से यह बोर्ड लगाएं कि यहां स्वदेशी सामान बिकता है। उनका मानना है कि स्वदेशी का उपयोग मजबूरी में नहीं, बल्कि मजबूती के साथ होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस संकल्प को कुछ इस तरह से समझाया था, "मैं आज हर छोटे-मोटे व्यापारी और दुकानदार से आग्रह करना चाहता हूं, आपकी भी जिम्मेदारी है, हम छोटे थे हमने बाजार में कभी देखा नहीं क्या, कि शुद्ध घी की दुकान, ऐसे ही लिखा जाता था कि घी की दुकान, लेकिन



समय रहते लोग लिखने लगे शुद्ध घी की दुकान। मैं चाहता हूं, देश में ऐसे व्यापारी और दुकानदार आगे आएं कि यहां स्वदेशी माल बिकता है, वो बोर्ड लगाएं। स्वदेशी मजबूती के लिए उपयोग करेंगे और जरूरत पड़ी तो औरों को मजबूर करने के लिए उपयोग करेंगे, यह हमारी ताकत होनी चाहिए। यह हमारा मंत्र होना चाहिए।" स्कूलों में भी इस भावना को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी दिवस, स्वदेशी सप्ताह और स्थानीय उत्पाद दिवस जैसे आयोजन करने का सुझाव दिया गया है। सितंबर 2025 में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री ने शिक्षकों को यह होमवर्क दिया था कि वे विद्यार्थियों के साथ मिलकर स्वदेशी अभियान का नेतृत्व करें। उनका कहना था कि स्कूलों में भी बच्चों को ऐसे प्रोजेक्ट देने चाहिए, जिसका विषय 'मेक इन इंडिया' हो। कुछ देर के लिए अपने क्षेत्र में स्वदेशी का जुलूस निकालें। स्कूलों में इसके लिए उत्सव मनाएं। स्वदेशी दिवस, स्वदेशी सप्ताह, स्थानीय उत्पाद दिवस मनाएं। बच्चे अपने घरों में स्वदेशी सामान की सूची बनाकर स्कूल में लाएं, हर महीने यह काम करें कि स्वदेशी सामान की संख्या घर में बढ़ाएंगे। स्वदेशी के महत्व पर परिचर्चा का आयोजन हो। बच्चों के जन्मदिन पर स्वदेशी उपहार देने की थीम बनाएं। इसका परिणाम होगा कि बचपन से ही स्वदेशी की भावना बढ़ेगी और धीरे-धीरे पूरा परिवार स्वदेशी हो जाएगा।

व्यापार और नीति में बदलाव

केंद्र सरकार ने पहली बार 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन यानी पीएलआई योजना की शुरुआत की। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत 2014 के 142वें स्थान से 63वें स्थान पर पहुंच चुका है। विदेशी निवेश प्रवाह में भी रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2014-24 के बीच भारत में 667.4 अरब डॉलर एफडीआई आया जो 2004-14 के पिछले दशक की तुलना में 119% अधिक है। अगस्त 2026 में ही भारत का वस्त्र निर्यात 29,776 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16.1 प्रतिशत अधिक है। एक जिला-एक उत्पाद नीति ने सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्धा बढ़ाई है।

इस दिवाली भी, संकल्प वही

2026 की यह दिवाली कई मायनों में विशेष है। यह वह वर्ष है जब देश ने सेमीकंडक्टर और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में बड़ी छलांग लगाई है, रक्षा निर्यात ने नया रिकॉर्ड बनाया है और स्वदेशी सैन्य शक्ति ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। ऐसे समय में जब वैश्विक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं, आत्मनिर्भरता की जरूरत पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश स्पष्ट है कि जो भी खरीदें, वह स्वदेशी हो। घर सजाएं तो स्वदेशी से, उपहार दें तो मेड इन इंडिया, जीवन की हर जरूरत में भारत की मिट्टी की महक हो। यह अपील किसी राजनीतिक दल या सरकार की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य की है। प्रधानमंत्री मोदी इस संकल्प में किसी से भी गैर-जरूरी तुलना की बजाय अपनी लकीर बड़ी करने का भी आह्वान करते हैं। बीते 7 अक्टूबर को शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे करने वाले प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं, "मैं बड़े अनुभव से कहता हूं, किसी दूसरे की लकीर छोटी करने के लिए अपनी ऊर्जा हमें नहीं खपानी है, हमें पूरी ऊर्जा के साथ हमारी लकीर को लंबा करना है। हम अगर अपनी लकीर लंबी



करते हैं, तो दुनिया भी हमारा लोहा मानेगी। आज जब वैश्विक परिस्थितियों में आर्थिक स्वार्थ दिनों-दिन बढ़ रहा है, तब समय की मांग है कि हम उन संकटों के रोते-बैठने की जरूरत नहीं है, हिम्मत के साथ हम अपनी लकीर को लंबी करें। मैं 25 साल के शासन के अनुभव से कह सकता हूं, अगर यह रास्ता हमने चुन लिया, हर किसी ने चुन लिया तो फिर कोई स्वार्थ हमें अपनी चंगुल में नहीं फंसा सकता है।"

विकसित भारत की ओर

2047 में जब भारत अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब तक विकसित राष्ट्र बनने का जो संकल्प देश ने लिया है, उसकी नींव यही आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की भावना है। मेक इन इंडिया, स्वदेशी और वोकल फॉर लोकल, यह त्रिशक्ति मिलकर उस महामार्ग का निर्माण कर रहे हैं, जिस पर चलकर भारत अपनी प्राचीन गौरवशाली विरासत को फिर से प्राप्त करेगा। इस त्योहारों के मौसम में, विशेष रूप से दीपावली, छठ महापर्व के अवसर पर हर भारतीय से प्रधानमंत्री मोदी की यही अपेक्षा है, दीये जलाएं लेकिन स्वदेशी के, खुशियां मनाएं, लेकिन स्थानीय उत्पादों के साथ और गर्व से कहें कि यह स्वदेशी है, यह मेड इन इंडिया है।

निश्चित रूप से आज हिंदुस्तान के हर कोने में 'वोकल फॉर लोकल' सुनाई दे रहा है। लोग हाथ लगाकर वस्तुओं में लोकल ढूंढ़ते हैं जो आत्म गौरव का प्रतीक है। भारतीयता का भाव, विजन 'वोकल फॉर लोकल' मंत्र के साथ देश को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प बन चुका है, जो स्थानीय उत्पाद और बाजार को बढ़ावा दे रहा है ताकि देश के उत्पादों को ग्लोबल बनाया जा सके। इस अमृत काल में देश ने तय कर लिया है कि 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान से भारत की परंपराओं को, इसकी शौर्य गाथाओं को अब और भी भव्य पहचान देगा। ■

भारतीय जान लेने वाले नहीं...

जान बचाने वाले



भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने अपनी बहादुरी और सूझबूझ का परिचय देते हुए न सिर्फ 9/11 जैसा एक और हमला होने से रोक दिया बल्कि विश्व भर में 140 करोड़ भारतीयों को गर्व करने का मौका दिया। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल सहित पूरा विश्व इस भारतीय पायलट को हीरो बता रहा है। इस बहादुर पायलट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर को वीडियो कॉल पर बात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पेश है बातचीत के मुख्य अंश...

प्रधानमंत्री – स्मित नमस्ते।

कैप्टन स्मित – जय हिंद सर। नमस्ते सर।

प्रधानमंत्री – कैसे हो अभी, तबीयत कैसी है?

कैप्टन स्मित – सर सब ठीक है सर, सब ठीक है।

प्रधानमंत्री – देखिए पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा है, महामृत्युंजय का जाप सब जगह चल रहे हैं।

कैप्टन स्मित - यस सर।

प्रधानमंत्री – आपकी हिम्मत, धैर्य सूझबूझ ने, यानी फ्रिक्शन ऑफ सेकेंड में इतने निर्णय कर लिए आपने...और इतने लोगों की जान बचाई। पूरा देश गर्व से कह सकता है कि हम हिंदुस्तानी जान लेने वाले लोग नहीं है, जान बचाने वाले लोग हैं।

कैप्टन स्मित – बिल्कुल सर।

प्रधानमंत्री – शरीर पे इतना बड़ा घाव हुआ, आप स्वयं जीवन और मृत्यु की लड़ाई लड़ रहे थे, उस समय अपने जीवन की नहीं बल्कि सभी यात्रियों के जीवन की परवाह की। सबसे बड़ी बात 140 करोड़ देशवासियों का आपने मान बढ़ाया।

कैप्टन स्मित – Thank You Sir.

प्रधानमंत्री – भूपेंद्र भाई, गीता बहन और सोनल बहन से मैंने बात की। मैंने गीता बहन को कहा था कि आपका नाम गीता है, लेकिन आपने कृष्ण की गीता को पूरी तरह पचा दिया। आपने स्मित को उस साक्षात गीता के संस्कारों से उसका जीवन बनाया।

कैप्टन स्मित – बिल्कुल सर।

प्रधानमंत्री – स्मित अब मैं आपसे सुनना चाहूंगा।

कैप्टन स्मित – सर, आप मेरे सबसे बड़े आइडियल हैं। आप ऐसे कॉल करके मेरी हौसला अफजाई कर रहे हैं। मुझे बहुत गर्व हो रहा है। मैं उस समय अपनी लाइफ के लिए लड़ रहा था, बट मुझे रियलाइज हुआ कि अगर मैंने कुछ नहीं किया, क्योंकि मैं गिर चुका था, मेरे को इतने घाव लग चुके थे कि मैं फंस चुका था नीचे। सर मैं FZ में 17 साल से जहाज उड़ा रहा हूं। मैं पिछले 11 साल से कैप्टन हूं। और मुझे पता चलता है, आंख बंद करके भी कि जहाज में क्या हो रहा है।

जब मैं नीचे गिरा हुआ था, तब मुझे, एहसास हो रहा था कि एयरक्राफ्ट नीचे जा रहा है। मुझे ये बिल्कुल पता था कि ये एक लास्ट पुश अगर कर दें, दरवाजा बस वहीं है और तभी भी मैं मार खा ही रहा था। बस वो खोल दिया सर। बाकी सब आ गए और बाकी सबका भी उतना ही रोल था। बट एट द सेम टाइम मुझे इतना भी पता था कि मैं उन सबको नहीं मरने दे सकता।

मुझे यहां अच्छी केयर और मेडिकल अटेंशन मिल रहा है। सर, जब भी मेरे को दर्द होता है, मैं सिर्फ हनुमान चालीसा बोलता हूं। उस टाइम पे भी मैं सिर्फ हनुमान चालीसा ही बोल रहा था और मुझे पता है कि वो भगवान ने ही मेरे को बचाया। बस आपका एक कॉल आ गया मेरे को बहुत गर्व हो रहा है। सॉरी मैं आपके सामने रो रहा हूं सर।

प्रधानमंत्री – स्मित, अगर मेरे सामने आप भावुक नहीं होंगे, तो कहां होंगे?

कैप्टन स्मित – सर ये मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी आपसे बात होगी, कभी नहीं सोचा।

प्रधानमंत्री – आपने इतना बड़ा काम किया है कि हर देशवासी आज, दुनिया के लोग भी आपको देखने, आपसे बात करने के लिए आतुर हैं। आपने जो बताई है हनुमान चालीसा की, इसके लिए तो मैं गीता बहन को प्रणाम करूंगा कि आपको ऐसे संस्कार दिए।

कैप्टन स्मित – यस सर। मैं रोज सुबह जब पूजा करता हूं। मेरा दो साल का बेटा मेरी गोद में बैठके मेरे साथ हनुमान चालीसा सुनता है। आज हम लोग देश से दूर हैं, बट हमारी संस्कृति से दूर नहीं होना चाहिए।

प्रधानमंत्री – सही बात है।

कैप्टन स्मित – यहां पर तो नहीं लगता कि हम देश से दूर हैं। यहां के लोग बहुत प्यार से और बहुत ध्यान से हमें रख रहे हैं।

प्रधानमंत्री – आपको पता नहीं होगा, लोग सावरकुंडला में भी, वढवान में भी, सबने ऐसे भावुक वातावरण बना दिया है और पूरे हिंदुस्तान में ही। सभी मंदिरों में पूजा-प्रार्थना-आरती हुई और सब आपके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। भारत आपका स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक है।

प्रधानमंत्री – मैं सऊदी और यूएई सरकार का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने आपकी बहुत केयर की। स्मित आपको जब भी जरूरत लगे, मैं एक फोन कॉल अवे हूं।

कैप्टन स्मित – Thank You Sir.

प्रधानमंत्री – जब मिलूंगा तब अंदर की बातें तो बाद में सुनूंगा मैं, क्योंकि मैं नहीं चाहता हूं कि मोबाइल पर ऐसी बातें करूं मैं आपसे।

कैप्टन स्मित – ठीक है सर।

प्रधानमंत्री – आप भी पूरी तरह स्वस्थ हो जाइए, पूरा देश आपके साथ है।

कैप्टन स्मित – Thank You Sir.

प्रधानमंत्री – God bless you !





"बीते 10-12 वर्षों में मोबाइल फोन... आधुनिक कम्युनिकेशन के माध्यम के साथ-साथ गुड गवर्नेंस का भी अहम टूल बनकर सामने आया है। और ये, हमारे डिजिटल इंडिया विजन के कोर में रहा है। **– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

डिजिटल कनेक्टिविटी भविष्य की नई दिशा

बीते एक दशक में भारत ने टेलीकॉम और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार किया है। दूरदराज के क्षेत्रों तक टेलीकॉम टावर और ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पहुंचने से डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। इस गति को और बढ़ाने के लिए भारत अगले दशक की डिजिटल और टेलीकॉम यात्रा का रोडमैप तैयार कर रहा है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आईएमसी को एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना है, जो टेक्नोलॉजी, रिसर्च, इंडस्ट्री, इंवेस्टमेंट और आइडिया का बन सके एक जंक्शन...

भारत की प्रगति और सपनों का मंच इंडिया मोबाइल कांग्रेस सात से 10 अक्टूबर तक चला। इसके उद्घाटन समोराह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दशक में भारत के टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर का निरंतर विस्तार हुआ है। रिमोट एरिया में टावर लगाए गए, ऑप्टिकल फाइबर का अभूतपूर्व विस्तार हुआ और डेटा भी सस्ता हुआ। इससे इकोनॉमी के नए सेक्टर्स का भी निर्माण हुआ है। इससे टेक्नोलॉजी, एंटरटेनमेंट और एजुकेशन सेक्टर में नए कंज्यूमर भी बने और नए क्रिएटर की भी एक नई जेनरेशन तैयार हुई है। टेलीकॉम के क्षेत्र में जो रिवॉल्यूशन आई है, इसका भारत के नागरिक को सीधा-सीधा फायदा हुआ है। भारत, भाषा और भूगोल, हर प्रकार से विविधताओं से भरा हुआ देश है। मोबाइल कनेक्टिविटी ने इस विविधता को भी सुविधा से जोड़ा है। पहले ज्यादातर बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर ब्लॉक या जिला स्तर पर रहते थे। यानी कुछ भी काम करना हो, सरकारी सर्विस लेनी हो, तो लोगों का पैसा और समय दोनों खर्च होता था। डिजिटल गवर्नेंस ने इन परिस्थितियों को बदला है। आज सरकार की सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल फोन पर हैं। सरकारी मदद अब सीधे लाभार्थियों के खाते में जाती है।

कोविड के दौरान सब कुछ रुक गया था लेकिन भारत में दफ्तर, बैंक, पढ़ाई चलती रही। ये भारत के डिजिटल इकोसिस्टम के कारण हुआ। मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेमेंट ओर सरकारी सेवाओं को बिना बाधा चालू रखा। ऑनलाइन

आईएमसी 2026 की थीम "सीमाओं से परे विस्तार"

आईएमसी 2026 के चार प्रमुख स्तंभ

- सृष्टिः भविष्य का निर्माण
- संवर्धनः विकास को गति देना
- सशक्तः अवसरों का विस्तार
- सुरक्षाः विश्वास का सुदृढ़ीकरण करना



2026 संस्करण में शामिल नौ प्रमुख सेक्टर

- 5जी और 6जी
- अगली पीढ़ी के एआई नेटवर्क
- सेमीकंडक्टर
- गैर-स्थलीय नेटवर्क
- साइबर सुरक्षा
- क्वांटम कम्युनिकेशन
- उद्यम परिवर्तन
- चक्रीय अर्थव्यवस्था
- ईएसजी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण



नौवां मोबाइल कांग्रेस का फोकस...

- स्मार्ट मोबिलिटी
- स्टेडियम अनुभव
- औद्योगिक रोबोटिक्स
- परिवहन प्रौद्योगिकी

डिजिटल इकोसिस्टम की ताकत के उदाहरण...

- पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक किसानों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर।
- डीबीटी के माध्यम से करीब 50 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों को बैंक एकाउंट में पहुंचे।
- इस व्यवस्था से सरकार अर्थात आम आदमी का 5 लाख करोड़ रुपये लीकेज बचा।
- भारत में 50 करोड़ से ज्यादा लोग किसी न किसी तरह से गेमिंग इकोसिस्टम से जुड़े हैं।
- 5.5 लाख से अधिक बेस स्टेशन भारत में हैं, जहां से 5G नेटवर्क ऑपरेट कर रहा है।
- देश में मोबाइल इंटरनेट स्पीड 2022 की तुलना में 10 गुना बढ़ी है।

आईएमसी 2026 की खास बातें...

100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल

1.5 लाख से अधिक प्रतिभागी शामिल

900 से अधिक विचारकों की भागीदारी

600 से अधिक स्टार्टअप

500 से अधिक साझेदार और प्रदर्शक

120 से अधिक सत्र

टेक्नोलॉजी का सिटीजन डिविडेंड

मोबाइल फोन सिर्फ चैट का माध्यम नहीं



एजुकेशन के लिए दीक्षा प्लेटफॉर्म है। कोविड के दौरान, जुलाई 2022 तक इस प्लेटफॉर्म पर 500 करोड़ से ज्यादा लर्निंग सेशन और करीब 6 हजार करोड़ लर्निंग मिनट दर्ज हुए। अब प्रयास है, जितने भी डिजिटल और ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम हैं, उनसे करीब 25 करोड़ छात्रों को जोड़ सकें।

पीएम मोदी का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।



संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का शताब्दी समारोह

जन-केंद्रित शासन सुशासन की पहचान

विकसित भारत के लिए अब जिस तरह की गवर्नेंस देश को चाहिए, उसका बहुत बड़ा माध्यम संघ लोक सेवा आयोग और राज्यों के चयन आयोग हैं। इतना ही नहीं, यूपीएससी ने अपने पहले 100 साल में, अपनी विश्वसनीयता को निरंतर मजबूत किया है। स्वतंत्रता, निष्पक्षता, योग्यता, गोपनीयता और निष्पक्ष प्रक्रिया, यही उसकी पहचान हैं। 1 अक्टूबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित यूपीएससी के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की नई कार्य संस्कृति के बताए 3 मंत्र - जन-केंद्रित सोच, सक्रियता और सुशासन...

संघ लोक सेवा आयोग की जब 1926 में नींव रखी गई थी, तब उस समय की प्राथमिकताएं अलग थीं। उस समय, व्यवस्था का फोकस और उसका समर्पण, दोनों ही ब्रिटिश राज के प्रति था। देश आजाद हुआ तो आजाद भारत के सपने और भारत की व्यवस्था केंद्र में आई और बीते दशकों में यूपीएससी ने अपने दायित्वों को बेहतरीन तरीके से निभाया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का यह दिन यूपीएससी के 100 वर्षों के उत्सव के साथ ही एक विरासत का भी उत्सव है। ये उत्सव उस आकांक्षा का है, जिसे हर वर्ष लाखों युवा जीते हैं। ये उत्सव उस विश्वास का है जो हर भारतवासी का इस संस्था पर है। 100 वर्ष की इस यात्रा में पीढ़ियां बदली, सरकारें बदली, टेक्नोलॉजी बदली, सिलेबस बदले, लेकिन यूपीएससी पर भरोसा आज भी उतना ही अटूट है, और ये आप सभी की बहुत बड़ी पूंजी है।

साहस, सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्लाईदुबई की फ्लाइट FZ1073 में बहादुरी दिखाने वाले कैप्टन स्मित मच्छार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के कैप्टन स्मित ने जिस प्रकार से धैर्य, सूझबूझ और साहस का परिचय करवाया, और जैसे इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हिन्दुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया। हर देशवासी के लिए

हमने अतीत का वो दौर देखा है, जब माना जाता था कि सरकार ही माई-बाप है। लेकिन आज ये दौर है जिसमें हमारा मंत्र है, 'नागरिक देवो भव।' यानी देश का नागरिक हमारे लिए किसी देव से कम नहीं है। हमारे लिए नागरिक की सेवा सर्वोपरि है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



पीएम मोदी का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी

- यूपीएससी शताब्दी स्मारक सिक्का, एक स्मारक डाक टिकट और 'भारत में यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों की नीतियों को आकार देने वाले - 100 ऐतिहासिक निर्णय' नामक पुस्तक का हुआ विमोचन।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग की 100 साल की यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।
- पिछले साल 1 अक्टूबर को शुरू हुए साल भर चलने वाले समारोहों के समापन अवसर और 1926 में स्थापित यूपीएससी के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- इस कार्यक्रम में राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष और सदस्य, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, यूपीएससी अधिकारी और देश भर के अन्य हितधारकों की भागीदारी देखने को मिली।
- यह कार्यक्रम यूपीएससी द्वारा 30 सितंबर और 1 अक्टूबर, 2026 को आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय कार्यक्रम का हिस्सा था।
- पहले दिन भारत मंडपम में 'शताब्दी समारोह - मंथन' हुआ, जिसमें प्रख्यात वक्ताओं के संबोधन के बाद विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चा हुई।

टैलेंट का बहुत बड़ा पूल

1976

- 1976 में, जब यूपीएससी को 50 साल हुए थे। उस समय की तुलना में,अब परीक्षा देने वालों की संख्या में 45 गुणा से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

1952

- 1952 में, सिविल सर्विसेज में महिला अभ्यर्थियों की संख्या सिर्फ 3 प्रतिशत थी। आज यह 30 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है।

2014

- यूपीएससी के पूरे इतिहास में चार महिला चेयरपर्सन रही हैं। उसमें से 2014 के बाद 3 बनी हैं।

स्मित का ये पराक्रम हमें गौरव से भर देता है। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों से प्रार्थना करता हूं कि हम सब स्मित की दीर्घायु के लिए, स्मित के उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें, और भारत के गौरव को बढ़ाने वाले भाई स्मित का अभिनंदन करें। ■

पीएम जनमन के तीन वर्ष

आदिवासी समुदाय का उत्थान...
गौरव गान से भावी पीढ़ी को प्रेरणा

"मेरे देश की भावी पीढ़ी को पता चलना चाहिए कि मेरे आदिवासी भाई जंगलों में रहे, पहाड़ों में रहे, पहनने के लिए कपड़े नहीं थे, लेकिन मां भारती की आजादी के लिए बलिदान देने में कभी पीछे नहीं रहे। उनका सम्मान होना चाहिए, उनका गौरव होना चाहिए, भावी पीढ़ी को उनसे प्रेरणा मिलनी चाहिए।" जनजातीय समाज के सशक्तीकरण की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी सोच का परिणाम है कि 2021 से 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत हुई। साथ ही, 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह समुदायों के उत्थान के लिए 2023 में शुरू हुआ पीएम जनमन यानी प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान...

भारत में 750 जनजातीय समूह हैं जिनकी आबादी 2011 की जनगणना के हिसाब 10.45 करोड़ है। इनमें 75 जनजातीय समूह ऐसे हैं जो विशेष रूप से कमजोर हैं। जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए आरक्षण तो मिला लेकिन इस समुदाय पर विशेष ध्यान तब दिया गया जब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सरकार बनी। इस समाज की आशाओं-आकांक्षाओं को समझने का गंभीर प्रयास हुआ। जनजातीय समाज के उत्थान एवं समृद्धि के लिए 1999 में एक अलग मंत्रालय बनाने के साथ ही 89वें संविधान संशोधन के जरिये राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना कर इनके हितों को सुनिश्चित करने की पहल की गई। उस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने जनजातीय समुदाय का गौरव गान शुरू किया ताकि भावी पीढ़ी इस समुदाय के योगदान को समझ सके। जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी और उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनकारी बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर को मनाया जाता है। बिरसा मुंडा का जन्म 1874 में हुआ था। वर्ष 2024-25 को उनकी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में भी मनाया गया।

> *अटल जी की सरकार थी, जिसने आदिवासी समाज के लिए अलग मंत्रालय बनाया, अलग से बजट बनाया। हमारी सरकार के दौरान अब आदिवासी कल्याण का बजट, पहले के मुकाबले 6 गुना तक बढ़ चुका है।*
>
> **–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**



पीएम जनमन... सुधर रही है सामाजिक-आर्थिक स्थिति

भारत सरकार ने जनजातीय समुदाय के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) सहित कई



धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में उत्थान के 25 उपाय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत की जिसमें 17 मंत्रालय जनजातीय समुदाय से जुड़े गांव और सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर काम कर रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य अगले 5 वर्ष में 63,843 गांव में स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनवाड़ी सुविधा तक पहुंच में सुधार सहित इंफ्रास्ट्रक्चर के अंतर को पाटने के लिए 25 उपाय कर रहे हैं। इस अभियान में 30 राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में रहने वाली 5 करोड़ से अधिक आबादी लाभान्वित करते हुए उन्हें आजीविका का अवसर प्रदान करना है।

20 लाख आवास पीएमएवाई-जी में दिए जाएंगे।

25 लाख एलपीजी कनेक्शन पीएम उज्ज्वला योजना में।

25,000 किमी सड़क बनाई जाएगी।

1,000 मेडिकल मोबाइल यूनिट शुरू होगी।

- हर घर नल योजना से संतृप्त होंगे सभी गांव।
- 2,000 संस्थानों में पीएम सूर्य घर सोलर रूफटॉप ।
- 2,000 नई आंगनवाड़ी खोली जाएंगी पोषण 2.0 में।
- 1,000 हॉस्टल समग्र शिक्षा अभियान में बनेंगे।
- 1,000 वन धन विकास केंद्र और 30 कौशल केंद्र।
- 700 पोषण वाटिका। 1,000 होम स्टे।

पीएम जनमन में किए गए उपाय

उपाय	स्वीकृत संख्या
पीएमएवाई-जी में आवास	**4.82** लाख
पीएमजीएसवाई में सड़क	**7992** किमी
जेजेएम में स्वीकृत गांव	**18,756**
मूविंग चिकित्सा ईकाई	**831**
स्वीकृत आंगनवाड़ी केंद्र	**2,498**
सर्व शिक्षा अभियान में स्वीकृत कार्य	**500**
विद्युतीकरण के लिए स्वीकृत आवास	**1.54** लाख
संचार कवरेज के लिए चयनित बस्ती	**4,347**
विकास केंद्र और बहु उद्देश्यीय केंद्र	**1,540**
वन धन विकास केंद्र	**500**

योजनाएं शुरू की हैं जिससे जनजातीय समुदाय की सामाजिक आर्थिक स्थिति सुधर रही है। वर्ष 2023 में 'जनजातीय गौरव दिवस' के दिन प्रधानमंत्री द्वारा शुरू पीएम-जनमन अभियान का उद्देश्य देश के पीवीटीजी समुदायों के लोगों का व्यापक विकास करना है। इस अभियान के तहत 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि खर्च की जा रही है। इसमें सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण तक बेहतर पहुंच, सड़क एवं दूरसंचार संपर्क, अविद्युतकृत परिवारों के घर का विद्युतीकरण और सतत आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना के तहत 9 मंत्रालय मिलकर 11 तरह के उपाय पीवीजीटी समुदाय की उन्नति के लिए कर रहे हैं।

मोबाइल एप से जुटाए गए आंकड़े

पीएम जनमन के अंतर्गत कवर गांव व बस्तियों में रहने वाली पीवीजीटी समुदाय की जनसंख्या के आंकड़े और इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति जुटाने के लिए पीएम गतिशक्ति मोबाइल एप्लीकेशन का इस्तेमाल किया। आंकड़े बताते हैं कि 19 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में 12.36 लाख पीवीजीटी आवास हैं जिनमें 48.52 लाख इनकी आबादी है। 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) समुदाय वास्तव में आदिवासी समुदाय में भी अति पिछड़े हुए हैं जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्रों में लगातार असुरक्षा से घिरे रहे हैं। ■



ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन

पावर टू इम्पावर

असल सवाल यह नहीं है कि ताकत किसके पास है, बल्कि यह है कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। क्या टेक्नोलॉजी का फायदा सिर्फ कुछ लोगों को मिलेगा या इससे करोड़ों लोगों के लिए नए अवसर बनेंगे? क्या ज्ञान कुछ लोगों तक सीमित रहेगा या इससे हर व्यक्ति की क्षमता बढ़ेगी? इन्हीं सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 अक्टूबर को नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में कहा-आज मैं यहां एक ऐसे विजन के साथ आया हूं, जो है, पावर टू इम्पावर...

हमारे यहां कहा गया है, 'विद्या विवादाय धनं मदाय, शक्तिः परेषां परि-पीडनाय। खलस्य साधोः विपरीतम् एतत्, ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय॥' इसका भाव यही है कि ज्ञान, धन और शक्ति जिसके पास भी हो, वो इनका इस्तेमाल कैसे करता है, यह महत्वपूर्ण है। यानी पावर का असली मूल्य उसके उद्देश्य में है और इसी सोच को आज के दौर में समझना बहुत जरूरी है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पावर टू इम्पावर करने वाला जो मानवीय भाव है, यह सिर्फ दूसरों को उपदेश देने के लिए नहीं है। यह हजारों वर्षों की हमारी परंपरा ने हमें सिखाया है। भारत में हमने इसे अपनी गवर्नेंस में, अपनी कार्य-संस्कृति में लागू करके दिखाया है।

कनेक्टिविटी ने अवसरों को भी किया कनेक्ट

12-13 साल पहले तक भारत में, मोबाइल और इंटरनेट तक पहुंच भी अपने आप में एक शक्ति हुआ करती थी। 2014 के बाद, जब भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी तो भारत ने मोबाइल डेटा को सस्ता करने पर जोर दिया। इसी का नतीजा है कि आज एक छोटे शहर का विद्यार्थी भी डिजिटल लर्निंग से जुड़ रहा है। गांव का एक छोटा दुकानदार भी नए ग्राहकों तक पहुंच रहा है। एक युवा भी ऑनलाइन नए कोर्सेस ज्वाइन कर सकता है। यानी भारत में कनेक्टिविटी ने सिर्फ लोगों को कनेक्ट नहीं किया, उसने सुनहरे अवसरों को भी कनेक्ट किया है। यही पावर टू इम्पावर है।

डिजिटल पावर की बड़ी भूमिका

100 से अधिक भाषा

1,000+ सेटेलाइट टीवी चैनल

80,000 पंजीकृत अखबार

50+ करोड़ यूट्यब यूजर्स

50 करोड़ से ज्यादा इंस्टाग्राम यूजर्स



स्टार्टअप

2.50 लाख से अधिक स्टार्टअप

45%+ स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक

“हर युग में पावर के अपने स्रोत रहे हैं, अपनी परिभाषा रही है। लेकिन 21वीं सदी में, खासकर इस तीसरे दशक में, एक बड़ा बदलाव हो रहा है। आज टेक्नोलॉजी, डेटा, ज्ञान और इनोवेशन ही शक्ति है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

इस साल ब्लूमबर्ग इकोनॉमी फोरम की थीम दुनिया में उभरती नई पावर पर केंद्रित।

भारत ने दिए हैं -

- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन।
- आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन।
- बिग कैट एलायंस।
- ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस।
- इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकॉनॉमिक कॉरिडोर - आई-मैक।
- मिशन लाइफ - लाइफ स्टाईल फॉर एनवायरमेंट यानी जिनसे सबका भला हो।

भारत इन विचारों को लाया सामने

- एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड।
- वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर।

इनमें भी पावर का इस्तेमाल दूसरों को इम्पावर करने के लिए ही है।

700+ अरब डॉलर है विदेशी मुद्रा भंडार

- 700 अरब डॉलर से ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार आज भारत के पास है।
- इस वित्त वर्ष अप्रैल-जून क्वार्टर में भारत की ग्रोथ रेट 7.8% रही।



प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

एशियाई खेल 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन

शानदार सफर यादगार उपलब्धि

जब देश का शीर्ष नेतृत्व खुद आगे बढ़ कर खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए सोचता है, काम करता है तो न सिर्फ परिदृश्य बदलता है बल्कि बेहतर परिणाम भी सामने आते हैं। यही कारण है भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले 12 सालों में अपने शानदार प्रदर्शन से खेलों के मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है। एशियाई खेल 2026 में भी यह देखने को मिला जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य के साथ पदक तालिका में भारत ने हासिल किया चौथा स्थान...



हर जीत में तिरंगा, हर पदक में भारत का गौरव समाहित करते हुए भारत ने एशियाई खेल 2026 में 85 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धियों से सजा यह सफर देश के लिए यादगार रहा। भारत ने आइची-नागोया खेलों में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदकों सहित 85 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। यह एशियाई खेलों के इतिहास में देश का दूसरा सबसे बड़ा पदक संग्रह है। समापन समारोह में खिलाड़ियों की परेड और खेलों के औपचारिक समापन सहित कई पारंपरिक कार्यक्रम हुए।



भारत ने एथलेटिक्स में 24, शूटिंग में जीते 15 पदक

भारत ने कई ऐतिहासिक व्यक्तिगत प्रदर्शन भी किए। प्रणवी उर्स एशियन गेम्स में गोल्फ में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, वहीं 17 वर्षीय कुमकुम मोहद ने महाद्वीपीय प्रतियोगिता में व्यक्तिगत रिकर्व स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया। वहीं, लवलीना बोरगोहेन ने भी एशियाई खेल में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली मैरी कॉम के बाद दूसरी भारतीय महिला बनीं। एथलेटिक्स में भारत ने सबसे अधिक 24 पदक जीते, जबकि शूटिंग में 15 पदक शामिल हैं। तीरंदाजी स्वर्ण पदकों के मामले में सबसे सफल खेल रहा, जिसमें पांच स्वर्ण पदक जीते गए।





एशियाई खेल 2026 के समापन के अवसर पर मैं भारतीय दल के हर सदस्य को बधाई देता हूं, जिन्होंने दृढ़ संकल्प, जुनून और उल्लेखनीय खेल भावना के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। हमारे सभी पदक विजेताओं को बधाई, जिनके शानदार प्रदर्शन ने देश को अपार खुशी दी है। आशा है कि आने वाले वर्षों में ये खेल और भी बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रेरणा देंगे। साथ ही, ये जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत बनाने में भी योगदान देंगे।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारत के नाम कई ऐतिहासिक उपलब्धियां

जापान में भारत के अभियान में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां और अलग-अलग खेलों में सफलतापूर्वक खिताब बचाए रखने की उपलब्धि खास रहीं। पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने अपने एशियाई खिताब बरकरार रखे, वहीं दोनों कबड्डी टीमों ने भी स्वर्ण पदक जीते। पुरुष हॉकी टीम ने मलेशिया पर 5-1 से जीत हासिल करके अपने खिताब की सफलतापूर्वक रक्षा की, वहीं महिला टीम ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर एशियाई खेल में स्वर्ण पदक के लिए 44 साल का इंतजार खत्म किया। ▪





भारतीय एथलीट दल से पीएम ने की मुलाकात

खिलाड़ियों ने बढ़ाया तिरंगे का मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अक्टूबर की शाम को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में एशियाई खेल 2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल के साथ बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय दल को संबोधित भी किया। कार्यक्रम में भारतीय दल के एथलीट, उनके कोच, सहायक कर्मचारी, भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारी, राष्ट्रीय खेल संघों के प्रतिनिधि तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारी भी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महिला हॉकी की टीम ने गोल्ड जीत कर 44 साल के लंबे इंतजार को खत्म किया है। क्रिकेट में हमारी दोनों टीमों ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता है। 28 साल बाद वेट लिफ्टिंग में देश ने मेडल जीता। महिला खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि देश ने कुल 85 मेडल जीते हैं, जिसमें 38 मेडल बेटियों ने जीते हैं। ये मेडल केवल एक संख्या नहीं बल्कि नए भारत की एक सशक्त तस्वीर है।

भारत ने बीते 12 वर्षों में बहुत धैर्य और परिश्रम के साथ अपने स्पोर्ट्स इकोसिस्टम पर काम किया है।

“आपने हमारे तिरंगे का मान बढ़ाया है और इसलिए आपकी सफलता केवल आपकी नहीं बल्कि देश के करोड़ो नागरिकों की सफलता है। मैं सभी देशवासियों की ओर से आप सभी को बधाई देता हूं।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।



लद्दाख की प्रगति और विकास
जुड़ रहा एक और अध्याय

लद्दाख में विकास और सशक्तीकरण के एक नए युग का सूत्रपात हो रहा है, जिसका केंद्र यहां की युवा पीढ़ी है। युवाओं को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी कौशल उपलब्ध कराने के लिए लेह में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के साथ आईआईटी और आईआईएम जम्मू के सैटेलाइट कैंपस प्रस्तावित किए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देते हुए नए एयरपोर्ट टर्मिनल से पर्यटन को गति मिलेगी। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अक्तूबर को 3,350 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया उद्घाटन...

हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार का विशेष ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है। यहां के युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले, नई टेक्नोलॉजी सीखने का अवसर मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए सरकार काम रही है। यही वजह है कि लेह में एक बड़ा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जा रहा है। जम्मू आईआईटी और आईआईएम के सैटेलाइट कैंपस स्थापित करने के प्रस्ताव को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे उच्च शिक्षा, रिसर्च और नई स्किल्स के लिए लद्दाख के युवाओं को अपने क्षेत्र में ही बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

केंद्र सरकार का प्रयास है कि लद्दाख में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो और यहां के पर्यावरण का भी ध्यान रखा जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने निम्मू-पदुम-दारचा सड़क लद्दाख को समर्पित किया। इस पर करीब 2,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। पहले इस सफर में करीब 12 घंटे लगते थे, वो अब लगभग 3 घंटे में पूरा हो सकेगा। इससे यात्रा का समय भी बचेगा और इस रोड से व्यापार और कारोबार को भी बहुत मदद मिलेगी।

लद्दाख को 3,350 करोड़ रुपये के 5 बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात

- **निम्मू-पदुम-दारचा रोड** : 298 किमी लंबी रणनीतिक सड़क देश को समर्पित।
- **नया एयरपोर्ट टर्मिनल** : कुशोक बकुला रिम्पोची एयरपोर्ट पर 640 करोड़ रुपये की लागत से बना 23,800 वर्ग मीटर का आधुनिक टर्मिनल शुरू (सालाना क्षमता: 35 लाख यात्री)
- **बिजली व ऊर्जा** : 9 मेगावाट की हनु लघु जलविद्युत परियोजना और 66 किलोवाट की डबल-सर्किट दाह-हनु-खालत्सी ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन।
- **जल संचयन** : 'हिम सरोवर' परियोजना के तहत 40 गांवों में 40 जल निकाय राष्ट्र को समर्पित। ■

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।



विरासत और भविष्य
की आकांक्षाएं साथ लेकर बढ़ता भारत

भारत भविष्य की आकांक्षाओं और सपनों के साथ-साथ अपनी विरासत को सहेजते हुए आगे बढ़ रहा है। काशी-तमिल संगमम् संस्कृति से जुड़ रही है तो वहीं आधुनिक रेलवे-हाइवे से राज्यों को गति मिल रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चेन्नई पहुंचे, जहां से तमिलनाडु को दी 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगातें, मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही, जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में युवाओं से कहा कि देश में अपार संभावनाएं हैं, उसी के हिसाब से बड़े कैनवास में देखें अपना भविष्य...

भारत या दुनिया के किसी भी देश की तरक्की का सबसे मजबूत स्तंभ वहां का मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर होता है। युवा उस देश के भविष्य के शिल्पकार होते हैं। यही वजह है कि भारत जहां रेल, मेट्रो रेल, हाइवे, एक्सप्रेसवे से भावी पीढ़ी के लिए रिकॉर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है, वहीं युवाओं के लिए स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, उच्च शिक्षण संस्थान और अनुसंधान संस्थान भी बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई के कार्यक्रम में स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति से प्रेरणा लेता है। विज्ञान की प्रगति से आगे बढ़ता है और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए नए अवसरों का निर्माण कर रहा है। हमारी विरासत और भविष्य की हमारी आकांक्षाएं साथ-साथ आगे बढ़ रही हैं।

बीते एक दशक में, भारत ने पूरे देश में मेट्रो नेटवर्क का बहुत बड़ा विस्तार किया है। 2014 में सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो रेल सीमित थी, आज 25 शहरों में मेट्रो रेल सेवाएं दे रही है। नेटवर्क भी 250 किमी से बढ़कर 1,100 किमी पहुंच गया है। चेन्नई मेट्रो के नए विस्तार से

राज्य के विकास से राष्ट्र के विकास का मजबूत मंत्र

- चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया।
- यह परियोजनाएं मेट्रो रेल, राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाह, पेट्रोलियम और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं।
- चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के पूनामल्ली-वडापलानी खंड का शुभारंभ किया और मेट्रो ट्रेन की यात्रा भी की।
- तमिलनाडु में लगभग 3,700 करोड़ रुपये की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन।
- 750 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली रेलवे की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित की। इसमें कराइकल-पेरालम रेलवे लाइन शामिल है।
- कोयंबटूर और आसपास के क्षेत्रों में तीन रेल उपरिगामी पुल राष्ट्र को समर्पित, पलानी, वेल्लोर, छावनी, अंबासमुद्रम, परमक्कुडी और नामक्कल स्थित पांच अमृत स्टेशनों का भी उद्घाटन किया।
- चेन्नई, कामराजार और वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह से संबंधित परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास।
- आईआईटी मद्रास स्थित सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र राष्ट्र को समर्पित करने के साथ ही एक अनूठे वैश्विक वैज्ञानिक मिशन का भी शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य भ्रूण अवस्था से लेकर वृद्धावस्था तक, मानव जीवन के विभिन्न चरणों में 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों का कोशिकीय स्तर पर त्रि-आयामी मानचित्र तैयार करना है।



25 वर्षों के इस कालखंड में, democracy की दो शक्तियों में मेरा विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। First - People of country! Second- Cooperative federalism! मैं हमेशा राज्य के विकास से देश के विकास का मंत्र लेकर चला।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

- एक सी-स्ट्रोक भी जारी किया गया, जो अपनी तरह का पहला मानव इस्केमिक स्ट्रोक एटलस है। इसमें स्ट्रोक से प्रभावित मस्तिष्क के 1,000 से अधिक सूक्ष्मदर्शीय खंडों का विस्तृत विवरण शामिल है।

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

यह नेटवर्क और बढ़ेगा। आज देश में पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत बनाया जा रहा है, ताकि शिपिंग सेक्टर नई ऊंचाइयों तक पहुंच सके।

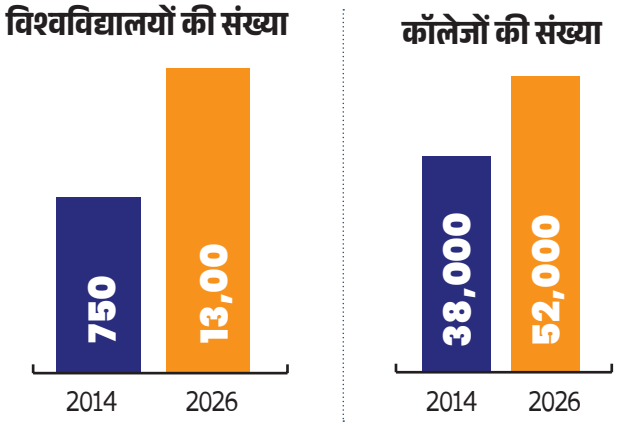
सरकार के मुखिया के तौर पर अपने 25 साल के कार्यकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि राज्य स्तर के कार्यकाल ने उनके राष्ट्रीय विजन को आकार दिया। मुख्यमंत्री के तौर पर सेवा करने से उन्हें राज्य-स्तर की उम्मीदों को समझने में मदद मिली। इसलिए, प्रधानमंत्री बनने के बाद, न सिर्फ उन उम्मीदों को पूरा करने की कोशिश की, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि हर राज्य अपना आकांक्षी लक्ष्य हासिल कर सके।

भारतीय युवाओं में दुनिया को समाधान देने की क्षमता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई में जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। अपने आदर्श वाक्य "सा विद्या या विमुक्तये" (ज्ञान जो मुक्ति दिलाता है) से प्रेरित यह विद्यालय ऐसे विद्यार्थियों को तैयार करने का प्रयास करता है, जो समाज में सार्थक योगदान दें।



शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बीते दशक में मिली मजबूती



- कई नए आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी और एम्स भी स्थापित किए गए हैं।



2036 में ओलंपिक मेजबानी का संकल्प

देश तेजी से नया खेल इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है। बेहतर प्रशिक्षण और समर्थन दे रहा है, ताकि खेलों को सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक अच्छा करियर माना जाए। पीएम मोदी ने युवाओं से कहा कि देश 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की जोर-शोर से तैयारी कर रहा है। साथ ही 2036 ओलंपिक की मेजबानी के बड़े सपने को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में बड़े-बड़े वैश्विक स्पोर्ट्स कार्यक्रमों के आयोजन से युवाओं को एक बेहतरीन मंच, क्षमता और सरकार का पूरा समर्थन मिलेगा।



आज का युवा 'विकसित भारत' के vision की ताकत बनना चाहता है। विकसित भारत के लिए जो नए ideas चाहिए... जो नए solutions चाहिए... उनसे भारत ही नहीं, विश्व का भविष्य भी तय होगा।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज के युवाओं में 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के पीछे प्रेरक शक्ति बनने की प्रबल इच्छा है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी नए विचार और समाधान अंततः न केवल देश की नियति को बल्कि पूरी दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। आज दुनिया समाधान की तलाश में है। युवाओं में उन समाधानों को प्रदान करने की क्षमता है।

पीएम मोदी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे कवि के मशहूर मंत्र 'अचमिल्लई, अचमिल्लई' (निडर, निडर) को अपनाएं। अपने विचारों और सपनों को पूरा करने के लिए पूरे जोश के साथ आगे बढ़ें। बड़े सपने देखो, अलग तरह से सोचो और निडर बनो। ■

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

देश की पहली महिला एयर मार्शल



जन्म : 4 नवंबर 1944

भारतीय वायु सेना से 1968 में जुड़ी डॉ. पद्मावती बंदोपाध्याय को भारत की पहली महिला एयर मार्शल बनने का गौरव प्राप्त है। लगभग चार दशकों तक भारतीय वायु सेना में सेवा करने वाली मेडिकल सर्विसेज (एयर फोर्स) की रिटायर्ड डायरेक्टर जनरल बंदोपाध्याय ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भाग लिया। इस दौरान उनकी सेवा के लिए उन्हें विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। इतना ही नहीं, वह उत्तरी ध्रुव में वैज्ञानिक अनुसंधान करने वाली पहली भारतीय महिला भी बनीं। महिला सशक्तीकरण की प्रतीक, पद्म श्री से सम्मानित पद्मावति बंदोपाध्याय देशवासियों विशेषरूप से बेटियों के लिए हैं प्रेरणास्रोत...

आंध्र प्रदेश के तिरुपति में 4 नवंबर 1944 को जन्मी डॉ. पद्मावती बंदोपाध्याय के मन में बचपन में ही डॉक्टर बनने की प्रेरणा जागने लगी थी। ऐसे में जब समय आया तब उन्होंने आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, पुणे में दाखिला ले लिया। उनका एक और सपना आसमान की बुलंदियों को छूने का भी था। यही वजह है कि 1968 में भारतीय वायु सेना में शामिल हो गईं। जिस दौर में वह वायुसेना से जुड़ी उस वक्त शायद किसी महिला के जेहन में वायुसेना का नाम भी आता होगा।

1971 के युद्ध के दौरान वो अपने पति के साथ सीमा पर तैनात थीं। वहां तैनात लोगों में वह अकेली महिला थीं और बंकर में रहा करती थीं। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अच्छे आचरण के लिए उन्हें विशिष्ट सेवा पदक (वीएसएम) से सम्मानित किया गया। साल 2002 में वह एयर वाइस मार्शल (टू-स्टार रैंक) पद पर पदोन्नत होने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं। इतना ही नहीं, वह एयर कॉमडोर पद पर भी प्रमोट होने वाली पहली महिला अधिकारी और उत्तरी ध्रुव पर जाकर वैज्ञानिक शोध करने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं। इस सबके अलावा उनकी एक और उपलब्धि है कि वह रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज कोर्स पूरा करने वाली पहली महिला अधिकारी हैं।

25 जनवरी 2020 को पद्मावति बंदोपाध्याय को चिकित्सा के क्षेत्र में पद्म श्री सम्मान देने की घोषणा की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक सम्मान समारोह में उन्हें नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया। सम्मान मिलने पर उन्होंने भारत सरकार, प्रधानमंत्री सहित गृह मंत्री को धन्यवाद दिया था। उन्होंने बताया था कि वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अभी भी टेलीमेडिसिन के द्वारा मरीजों की सेवा कर रही हैं। वह यह काम करीब 12 साल से कर रही थीं। सप्ताह में 3 दिन वह यह काम करती थीं और 80-100 मरीजों को देखती थीं। साथ ही वह घर पर शनिवार-रविवार को गरीब बच्चों को विज्ञान और गणित पढ़ाने का काम करती थीं। उन्होंने बताया था कि उन्हें लगता है कि उनके आशीर्वाद से ही उन्हें पद्म श्री जैसा सम्मान मिला है। ■

अलविदा
नाना पाटेकर



तिरंगे की आन-बान और शान के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बेहतरीन कलाकार नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर को निधन हो गया। अलग-अलग किरदारों के माध्यम से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले नाना कभी बंधनों में नहीं रहे बल्कि हमेशा परिंदे की तरह फिल्मों के आसमान में उड़ते रहे। साथ ही उन्होंने समाज में व्याप्त अव्यवस्था पर अपनी फिल्मों के माध्यम से करारा प्रहार भी किया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, फिल्म जगत के तमाम दिग्गजों सहित समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों दी श्रद्धांजलि...

जन्म : 1 जनवरी 1951,
निधन : 8 अक्टूबर 2026

हिंदी और मराठी सिनेमा के जाने-माने अभिनेताओं में शामिल नाना पाटेकर ने कई दशकों के फिल्मी करियर में विभिन्न भूमिकाओं के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई और समाज पर अमिट छाप छोड़ी। वे एक ऐसे क्रांतिवीर थे, जिन्होंने बुराइयों के विरुद्ध काम किया। उनकी वाणी जितनी तेज थी, उनकी खामोशी भी उतनी ही प्रभावी थी। वो देश विरोधियों पर निरंतर अंकुश के समर्थक थे। उन्हें परिंदा, क्रांतिवीर, अब तक छप्पन और वेलकम जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए व्यापक पहचान मिली। उन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री से भी सम्मानित किया था।

नाना पाटेकर की रगों में देश सेवा का जुनून इस कदर था कि उन्होंने अपनी फिल्म 'प्रहार' के निर्देशन और अभिनय के लिए टेरिटोरियल आर्मी में 3 साल की कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग ली थी। उन्हें सेना में मानद कैप्टन (और बाद में मेजर) का रैंक मिला था। सबसे दिलचस्प बात यह है कि 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान, वे क्विक रिएक्शन टीम का हिस्सा बनकर अग्रिम मोर्चे पर 'मराठा लाइट इन्फैंट्री' रेजीमेंट के साथ देश की सेवा करने पहुंचे थे।

> *"बहुत कम अभिनेताओं में वह गहराई, विशिष्टता और दमदार उपस्थिति होती है, जो नाना पाटेकर जी में थी। उन्होंने हर भूमिका में बहुमुखी प्रतिभा और रचनात्मकता का परिचय दिया और हमें ऐसे किरदार दिए जिन्हें पीढ़ियां याद रखेंगी। उन्हें उनके स्पष्ट और बेबाक विचारों के लिए भी सराहा जाता था। वे अपनी बात कहने में कभी संकोच नहीं करते थे।*
>
> **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

> *"भारतीय सिनेमा के महान अभिनेता नाना पाटेकर जी का निधन कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।*
>
> **-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री**



Narendra Modi
@narendramodi

25 वर्षों का जनविश्वास मेरे लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणाशक्ति है। ईश्वररूपी जनता-जनार्दन के लिए मेरा एक ही संकल्प है कि मैं देशवासियों की और अधिक सेवा करूं।

Gratitude to everyone for their blessings and wishes. What greater strength can there be than the trust and affection of 140 crore Indians?



Rajnath Singh
@rajnathsingh

देश की सुरक्षा के लिए हमारी Defence Industry की Surge Capacity और Production Capacity का मजबूत होना जरूरी है। हमारी प्रतिभा, युवा शक्ति और Policy Support हमारी ताकत हैं। सरकार हमेशा Defence Industry के साथ खड़ी है, ताकि जरूरत पड़ने पर उत्पादन तेजी से बढ़ाया जा सके और देश हर चुनौती के लिए तैयार रहे।



Amit Shah @AmitShah

मोदी सरकार में सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था व महिला सशक्तीकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। चाहे श्वेत क्रांति 2.0 की शुरुआत हो या PACS को बहुउद्देशीय बना डेयरी से जोड़ना हो, सहकारिता का सबसे बड़ा लाभ सहकारी डेयरी क्षेत्र को मिल रहा है।

आज भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन में प्रदेशभर से आए पशुपालकों से संवाद किया। इस अवसर पर गोपालक दीदियों का सम्मान किया, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत लाभ वितरित किए तथा मोरवन प्रोजेक्ट के अंतर्गत नगर वन विकसित करने के लिए KRIBHCO एवं मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के बीच MOU भी हुआ।



Nitin Gadkari @nitin_gadkari

हवा में उडनेवाली बस.. (Skybus), यह सिर्फ एक नई Transport Technology नहीं...

यह उस 🇮🇳 भारत की कल्पना है,
जहां Innovation का उद्देश्य सिर्फ गति नहीं, बल्कि जनसेवा, सुविधा और बेहतर भविष्य है।

नई सोच।
नई तकनीक।
नई ऊँचाई।
और गतिशील 🇮🇳भारत का भविष्य - SKY BUS



Kiren Rijiju @KirenRijiju ·

SIR प्रक्रिया में 13 करोड़ वोटर कटने का दावा भ्रामक है!
प्रक्रिया के दौरान करीब 13 करोड़ नाम ड्राफ्ट स्तर पर मृत, अनुपस्थित/अप्राप्य, स्थायी रूप से स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टि जैसी श्रेणियों में चिह्नित किए गए हैं। इन्हें 13 करोड़ अंतिम विलोपन बताना सही नहीं है।
ड्राफ्ट सूची सभी राजनीतिक दलों के BLA के साथ साझा की गई है और पात्र मतदाताओं को दावा-आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया गया है।
तथ्यों को समझें, भ्रम से बचें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर विश्वास रखें।



Arjun Ram Meghwal
@arjunrammeghwal

न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी लाने, मामलों का समयबद्ध निस्ता सुनिश्चित करने तथा justice distribution system को अधिक प्रभावी बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

#JusticeDelivery #JudicialReforms

पीएम ने महिला और बाल विकास पर राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की

महिलाओं और बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर दिया जोर, 'चिंतन शिविर' लगाकर समग्र विकास पर ध्यान दें



एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

खास बातें

- विवि आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और अध्ययन कर सकते हैं
- महिला सुरक्षा पर विभागों को एहतियाती उपायों पर बल दिया

आंगनवाड़ियों को सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनाने का आह्वान



विवि आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ जुड़ें

बच्चों को हर हाल में प्रोत्साहित करें

युवा ही 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे

'स्वच्छता अभियान' को सक्रिय बनाएं

'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा दें

मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की 13 हजार करोड़ की परियोजना की देंगे सौगात

पीएम मोदी का तमिलनाडु दौरा आज



कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे

पोरूर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे

'ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनॉमी फोरम' में प्रधानमंत्री बोले- हम दुनिया को स्थिरता का संदेश दे रहे

भारत वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूती से आगे बढ़ रहा : मोदी

भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के मौजूदा दौर में भी भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा है। हमारी तेज आर्थिक वृद्धि मजबूत बुनियाद और लगातार हो रहे सुधारों पर आधारित है। भारत अपनी नीतियों, कार्यक्रमों और सुधारों से दुनिया को भरोसे और स्थिरता का संदेश दे रहा है।

नई दिल्ली में आयोजित 'ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनॉमी फोरम' में उन्होंने कहा कि भारत दूसरे देशों को नुकसान पहुंचा कर नहीं, बल्कि सबकी समृद्धि के साथ अपनी वैश्विक आर्थिक भूमिका बढ़ाना चाहता है। उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार में बाधाओं और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों तथा संसाधनों को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को एक भरोसेमंद आर्थिक साझेदार के रूप में पेश किया।

पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का उल्लेख करते हुए कहा कि अप्रैल-जून 2026 की पहली तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि 7.8 फीसदी रही। यह वृद्धि मजबूत आर्थिक आधार पर टिकी है। इसने साबित कर दिया कि भारत की वृद्धि किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में सबसे तेज रही। मोदी ने कहा कि भारत स्पष्ट नीतिगत दिशा के साथ आर्थिक सुधार कर रहा है। उन्होंने जीएसटी, दिवाला संहिता, चार नई श्रम संहिताओं और कारोबार से जुड़े कानूनों में छोटे-मोटे उल्लंघनों के लिए जेल की सजा के प्रावधान हटाने जैसे कदमों का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब दुनिया को सस्ती दवाओं की जरूरत होती है तो हर पांच में से एक जेनेरिक दवा भारत से आती है। डिजिटल पहचान और भुगतान के क्षेत्र में भी भारत के मॉडल को दुनिया में देखा जा रहा है।



नई दिल्ली में मंगलवार को 'ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनॉमी फोरम' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक। • प्रेट

> भारत दूसरे देशों को नुकसान पहुंचा कर नहीं, बल्कि सबकी समृद्धि के साथ अपनी वैश्विक आर्थिक भूमिका बढ़ाना चाहता है। हम किसी की कीमत पर विकास नहीं करते। दुनिया के साथ और दुनिया के लिए विकास करते हैं।
> –नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ऋषि सुनक ने की पीएम मोदी की सराहना

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे करने पर मोदी को बधाई दी और उनके काम के प्रति समर्पण, मेहनत और ऊर्जा की सराहना की। सुनक ने भारत-ब्रिटेन संबंधों को भी मजबूत बताया। सुनक ने एक्स पर कहा कि ब्रिटेन का पीएम रहते हुए उन्हें मोदी के साथ काम करने का अवसर मिला था। मोदी के काम के प्रति समर्पण और मेहनत को अनुकरणीय बताया। मोदी के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

कनाडा के पीएम कार्नी से पीएम मोदी की द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से फोन पर सौहार्दपूर्ण और सार्थक बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों में आई सकारात्मक गति को आगे बढ़ाने तथा व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और जन-संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ठोस परिणाम हासिल करने पर सहमति जताई।

पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत और कनाडा मिलकर अधिक स्थिर एवं समृद्ध विश्व के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। वहीं, कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के कार्यालय ने बताया कि पीएम मोदी दिसंबर में



पीएम मोदी व कनाडाई पीएम मार्क कार्नी।

दोनों नेता दिसंबर में प्रस्तावित यात्रा से पहले एक-दूसरे के संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए।

कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद भारत पहुंचीं : कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद मंगलवार को भारत पहुंचीं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जून 2025 के बाद यह उनकी तीसरी भारत यात्रा है। इस

युवाओं के कौशल को पीएम ने किया सलाम, हंसे-बतियाए और खिलाई मिठाई



- वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता के प्रतिभागियों से मिले, कहा- आइआइटी-आइआइएम से कम नहीं स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट
- प्रधानमंत्री से भेंटकर अभिभूत युवा बोले, चर्चा में घुलमिल गए- कभी छात्र तो कभी स्किल कोच जैसे लगे पीएम

'किशोरियों के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दें'

पीएम से मिली ऊर्जा, नर्सिंग सेवा को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

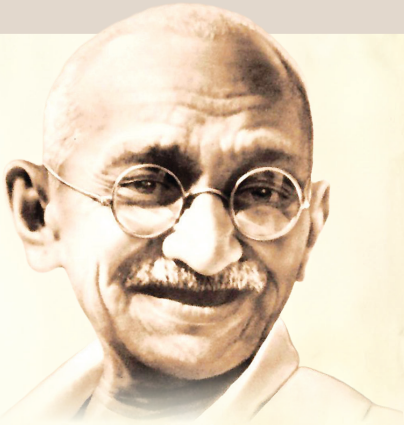
लोक सेवा प्रसारण दिवस - 12 नवंबर

जनचेतना, लोकतंत्र और संवाद की गौरवशाली यात्रा

लोक सेवा प्रसारण दिवस 1947 में 12 नवंबर के दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा आकाशवाणी के माध्यम से दिये गये ऐतिहासिक संबोधन के उपलक्ष्य में हर वर्ष मनाया जाता है। वर्ष 2000 में तत्कालीन सूचना और प्रसारण मंत्री सुषमा स्वराज ने घोषणा की थी कि यह विशेष दिवस लोक सेवा प्रसारण दिवस के रूप में मनाया जाएगा। तब से आकाशवाणी भवन में हर साल विशेष कार्यक्रमों और आयोजनों के साथ मनाया जाता है यह दिवस...

विस्थापित लोगों को बापू ने किया संबोधित

- उस ऐतिहासिक दिन बापू ने विभाजन की पीड़ा झेल रहे और कुरुक्षेत्र में शरण लिए विस्थापित लोगों को संबोधित किया।
- उनके संदेश की याद में उस स्टूडियो को अब 'बापू स्टूडियो' के नाम से जाना जाता है।
- इस अवसर पर आकाशवाणी कई कार्यक्रमों का आयोजन करती है और बापू के प्रिय भजनों की प्रस्तुतियां भी दी जाती हैं।





जब मैंने सुना कि आप लोगों में करीब ढाई लाख रिफ्यूजी पड़े हैं और मैंने सुना कि अभी भी लोग आते रहते हैं तो मुझे बहुत दुख हुआ... मुझे ठेस लगी और मुझे एहसास हुआ कि मैं आपके पास पहुंच जाऊं।

– महात्मा गांधी (आकाशवाणी पर 12 नवंबर 1947 को संबोधन)

न्यू इंडिया समाचार पाक्षिक

आर.एन.आई, DELHIN/2020/78812, 1-15 नवंबर, 2026

आरएनआई DELHIN/2020/78812 (प्रकाशन तिथि- 19 अक्टूबर 2026, कुल पृष्ठ-52)

प्रधान संपादक
धीरेन्द्र ओझा, प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

प्रकाशक
कंचन प्रसाद
महानिदेशक, केंद्रीय संचार ब्यूरो

कमरा संख्या-278, केंद्रीय संचार ब्यूरो,
सूचना भवन, द्वितीय तल,
नई दिल्ली- 110003 से प्रकाशित